स्वियातेक प्री-क्वार्टर फाइनल में

▸ पेज – 7


# DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है


सरकार पेश कर सकती है नया आयकर विधेयक

▸ पेज – 8

वर्ष : 33 » अंक : 304 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, रविवार, 19 जनवरी 2025 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

# लंदन, हांगकांग की तर्ज पर एक टिकट से होगा मुंबई में सफर

अमित बृज | मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में जल्द ही लोग एक ही टिकट से लोकल, बेस्ट, एसटी बस, मोनो रेल और मेट्रो में सफर कर पाएंगे। शनिवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसके संकेत दे दिए। मुख्यमंत्री फडणवीस और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में मुंबई में एकीकृत टिकटिंग सेवा प्रणाली पर चर्चा की गई। बैठक में मित्रा के सीईओ प्रवीण सिंह परदेशी, मुख्यमंत्री कार्यालय के सचिव डॉ. श्रीकर परदेशी, साथ ही मध्य, पश्चिम रेलवे और महामुंबई मेट्रो के अधिकारी उपस्थित रहे। इस सेवा के शुरू होने पर मुंबईकर का सफर काफी आसान हो जाएगा। उनका समय भी बचेगा। इसके साथ मुंबई दुनिया के उन देशों के क्लब में शामिल हो जाएगी। जहां पर एक टिकट से तमाम ट्रांसपोर्ट में यात्रा करना संभव है। पीएम मोदी एक ही जगह से तमाम परिवहन के साधनों की उपलब्धता के साथ एक ही टिकट व्यवस्था पर जोर देते आए हैं।

## अश्विनी वैष्णव - फडणवीस बोले - साकार होगा PM का सपना

### फडणवीस ने गिनाए फायदे

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि लोकल रेल मुंबई की जीवन रेखा है। एकीकृत सेवा प्रणाली से यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी तेज और आसान हो जाएगी। इसके साथ राजस्व में वृद्धि के साथ-साथ सार्वजनिक सेवाओं का उपयोग भी बढ़ेगा। उन्होंने यह भी बताया कि प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ाकर इस प्रणाली को टैक्सियों और अन्य सेवाओं के साथ एकीकृत करने के प्रयास चल रहे हैं। इस परियोजना से यात्रियों को एक ही प्लेटफॉर्म पर सभी परिवहन सुविधाएं आसानी से मिल सकेंगी। मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने यह भी कहा कि इससे परिवहन आसान होगा, यात्रियों का समय बचेगा और परिवहन प्रणाली में बाधाएं दूर होंगी।

### क्या बोले रेल मंत्री?

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि एक छोर से दूसरे छोर तक तेज और सुविधाजनक परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने की यह एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को एकल गतिशीलता मंच पर लाना है। इस दिशा में मुंबई में बुनियादी ढांचे के विकास के प्रयास चल रहे हैं। इस पहल से यात्रियों को मात्र 300 से 500 मीटर पैदल चलकर सार्वजनिक परिवहन सुविधा का लाभ उठाने की सुविधा मिलेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मुंबई में फिलहाल 3,500 लोकल सेवाएं चल रही हैं। रेलवे आगामी समय में 300 और लोकल सेवाएं शुरू करने के लिए 17,107 करोड़ रुपये का निवेश करेगा।

### MITRA को मिली है जिम्मेदारी

महाराष्ट्र में रेलवे परियोजनाओं में 1.70 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्र और राज्य सरकारें मुंबई के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। महाराष्ट्र सरकार शहरी परिवहन के लिए एकीकृत टिकट प्रणाली लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। महाराष्ट्र परिवर्तन संस्थान (MITRA) के नेतृत्व में इस पहल का उद्देश्य विभिन्न सार्वजनिक परिवहन सेवाओं के लिए टिकट प्रक्रिया को एकीकृत और सरल बनाना है। इसके लिए ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) प्लेटफॉर्म का तकनीकी सहयोग लिया जाएगा। अभी मुंबई में परिवहन के पांच प्रमुख साधन है। इनमें रेल, मेट्रो, मोनोरेल, बस और फेरी शामिल हैं। छह संस्थाएं इनका संचालन करती हैं। ट्रांसपोर्ट के लिए कॉमन टिकट व्यवस्था लागू होती है तो पूरे मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (MMR) के साथ दूसरे शहरों को फायदा मिलेगा।

# शरद पवार को झटका

धीरज सिंह | पुणे/शिरडी

महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार को बड़ा झटका लगा है। एनसीपी (एसपी) के नेता और विधायक सतीश चव्हाण ने शनिवार को शिरडी में अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी की सदस्यता ग्रहण कर ली। अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी ने शिरडी में दो दिवसीय नव संकल्प शिविर आयोजित किया है। शिविर के पहले दिन सतीश चव्हाण ने बड़े पवार को छोड़कर उनके भतीजे की पार्टी का दामन थाम लिया। सतीश चव्हाण ने ऐसे वक्त पर शरद पवार का साथ छोड़ा है जब राज्य में पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के सांसदों के भी पाला बदलने की अटकलें जारी हैं।

## विधायक सतीश चव्हाण ने शिरडी में पहनी अजित पवार की 'घड़ी'

### कब निलंबित हुए थे सतीश चव्हाण?

विधायक सतीश चव्हाण ने विधानसभा चुनावों से पहले अजित पवार के खेमे से इस्तीफा दिया था। वह तब शरद पवार के पास आ गए थे विधानसभा चुनावों में शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी (एसपी) के करारी शिकस्त के बाद अब सतीश पवार फिर से अजित पवार के पास चले गए हैं। जब सतीश चव्हाण ने अजित पवार की एनसीपी को छोड़ा था तब पार्टी ने उन्हें छह साल के लिए निलंबित किया था अब पार्टी ने फिर से उनके वापस लेते हुए उस निलंबन को रद्द कर दिया है।

### कौन हैं सतीश चव्हाण?

सतीश चव्हाण 1977 से सार्वजनिक जीवन में सक्रिय है। बीई मैकेनिकल की शिक्षा हासिल करने के बाद सतीश चव्हाण लंबे समय तक वसंतराव काले के साथ विभिन्न आंदोलनों में शामिल रहे। उन्होंने 1984 में राजनीतिक में कदम रखा था। वह 2008 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के माध्यम से मराठावाड़ा ग्रेजुएट निर्वाचन क्षेत्र का विधान परिषद में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वह पूर्व में उन्होंने बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय की प्रबंधन परिषद और सीनेट के सदस्य भी रह चुके हैं।

# अवैध बैनर-पोस्टर मिले तो अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

दीपक पवार | मुंबई

अवैध होर्डिंग, बैनर और पोस्टर शहर को बदसूरत कर रहे हैं। इसको लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट भी कई बार फटकार लगा चुका है। लेकिन इसके बावजूद राजनीतिक दलों द्वारा शहर में होर्डिंग और बैनर-पोस्टर लगाना बंद नहीं हो रहा है। लेकिन कोर्ट द्वारा 19 दिसंबर को दिए गए आदेश के बाद अब मुंबई महानगरपालिका (मनपा) ने अपने सभी अधिकारियों को अवैध हेर्डिंग,बैनर-पोस्टर हटाने का आदेश दिया है। इसके बाद जिस विभाग में अवैध होर्डिंगलगी मिलेंगी वहां के अधिकारियों को जिम्मेदार मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई करने की चेतावनी मनपा की उपायुक्त (विशेष) चंदा जाधव ने दी है।

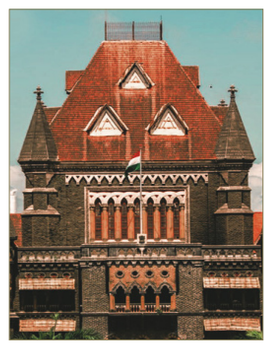

### कोर्ट ने लगाई है रोक

हाईकोर्ट ने राजनीतिक दलों द्वारा अवैध होर्डिंग, बैनर-पोस्टर लगाए जाने पर प्रतिबंध लगाया था। इसको लेकर कोर्ट ने सभी दलों से हलफनामा भी मांगा था। उसके बाद भी राजनीतिक दल बैनरबाजी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसे में मनपा अधिकारी भी ऐसी बैनरबाजी पर आंख बंद कर लेते हैं। जबकि नियम होने के बावजूद राजनीतिक दलों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

### 27 जनवरी को इस मामले पर अदालत में अगली सुनवाई

पिछले दिनों बॉम्बे हाईकोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों पर राजनीतिक दलों द्वारा लगाए गए अवैध होर्डिंग, बैनर-पोस्टर मामले में 25 से ज्यादा राजनीतिक पार्टियों को अवमानना नोटिस जारी किया था। इन पार्टियों पर अवैध होर्डिंग पर अदालत के आदेश की अवमानना करने का आरोप है। 27 जनवरी को इस मामले पर अदालत में अगली सुनवाई होगी।

**सैफ अली खान हमला**

# छत्तीसगढ़ से संदिग्ध हिरासत में

मुनीब चौरसिया | मुंबई

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हमले के मामले में पुलिस ने शनिवार को एक संदिग्ध को छत्तीसगढ़ के दुर्ग से हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। RPF प्रभारी संजीव सिन्हा के मुताबिक, संदिग्ध को शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस से पकड़ा है। यह शख्स जनरल डिब्बे में बैठा था। इसकी पहचान मुंबई से भेजे गए, फोटो के आधार पर की गई। रात 8 बजे मुंबई से टीम दुर्ग पहुंचेगी। पुलिस अब तक करीब 50 लोगों से पूछताछ कर चुकी है। मामले में 35 टीमें लगाई गई हैं, जो आरोपी का सुराग ढूंढने में लगी हुई हैं। RPF के अफसर ने बताया कि संदिग्ध का नाम आकाश है।

### करीना कपूर का बयान दर्ज

वहीं, शुक्रवार को करीना कपूर का बयान दर्ज किया। लेकिन यह बयान शनिवार सुबह सामने आया। करीना ने बताया कि सैफ ने महिलाओं और बच्चों को बचाने की कोशिश की। वे बीच में आए तो हमलावर जहांगीर (करीना-सैफ का छोटा बेटा) तक नहीं पहुंच पाया। उसने घर से कोई भी चीज नहीं चुराई। एक्ट्रेस के बयान के बाद पुलिस ने बांद्रा स्थित सतगुरु शरण बिल्डिंग, जहां सैफ रहते हैं और करिश्मा के खार स्थित आवास पर सुरक्षा बढ़ा दी है।

# राहुल गांधी ने जाति जनगणना को 'फर्जी' कहा

- JDU ने कांग्रेस पर हमला बोला

एजेंसी | पटना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार में जाति जनगणना को लेकर विवादित बयान दिया। संविधान सुरक्षा सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जाति जनगणना पूरे देश में होनी चाहिए, लेकिन बिहार जैसी 'फर्जी' जनगणना नहीं। इस बयान के बाद बिहार के सियासी हलकों में घमासान मच गया है। जेडीयू नेता राजीव रंजन ने राहुल गांधी के बयान पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन्हें अपनी पार्टी के 55 वर्षों के कार्यकाल पर बात करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने भी राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि जब वे खुद फर्जीवाड़े के 'सरदार' हैं, तो उन्हें सब कुछ फर्जी ही नजर आता है। राहुल गांधी ने पटना में इस सम्मेलन के दौरान कहा कि जाति जनगणना के आधार पर नीतियां बननी चाहिए और कांग्रेस इसे लोकसभा और राज्यसभा में पारित करेगी। बिहार में जाति जनगणना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार के तहत कराई गई थी।

# अरविंद केजरीवाल पर फिर हमला

## सियासी गणित पर असर

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही राजनीतिक माहौल और गरमाया है। शनिवार शाम, आम आदमी पार्टी ने अपने राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर पथराव का आरोप लगाया। इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में प्रचार के दौरान कुछ लोग काले झंडे लहराते हुए केजरीवाल की गाड़ी के करीब पहुंचे, और एक पत्थर गाड़ी की ओर फेंका। हालांकि, सुरक्षा कर्मियों ने जल्दी ही स्थिति पर काबू पा लिया। इसके बाद आप और बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो गया।

### बीजेपी पर आरोप, हमले के बाद बढ़ी सियासी हलचल

आम आदमी पार्टी ने बीजेपी के उम्मीदवार परवेश वर्मा पर आरोप लगाया कि हमलावर उन्हीं का समर्थक था। वहीं, परवेश वर्मा ने प्रतिक्रिया में दावा किया कि केजरीवाल ने अपनी गाड़ी से तीन युवकों को टक्कर मारी, जिसके बाद दोनों दलों के समर्थक आपस में भिड़ गए। हालांकि, जांच के बाद ही असल तथ्यों का खुलासा हो सकेगा।

### केजरीवाल पर हमलों का पुराना इतिहास

अरविंद केजरीवाल पर हुए हमलों की लंबी सूची रही है। 2014 में भी उन्हें दिल्ली और अन्य राज्यों में कई बार हमलों का सामना करना पड़ा। इन हमलों के बाद केजरीवाल ने हमेशा इमोशनल बयान दिए, जिनसे उन्हें सियासी सहानुभूति मिली और उनका पक्ष मजबूत हुआ। खासकर 2014 के बाद से, जब आम आदमी पार्टी ने जोरदार प्रदर्शन किया, तब से लेकर अब तक केजरीवाल पर हमले होते रहे हैं।

### हमलों का राजनीतिक नफा-नुकसान

दिल्ली में जब-जब केजरीवाल पर हमला हुआ, वह और उनकी पार्टी उसे अपनी राजनीतिक ताकत के रूप में पेश करते हुए जनता की सहानुभूति बटोरने में सफल रहे। इसी रणनीति ने आम आदमी पार्टी को विधानसभा चुनावों में बड़ी जीत दिलाई। 2015 में 70 में से 67 सीटों पर उनकी पार्टी ने जीत दर्ज की थी, और फिर 2020 में भी पार्टी ने बंपर जीत हासिल की।

### दिल्ली के बाहर भी हमलों का सामना

केजरीवाल ने दिल्ली से बाहर भी कई हमलों का सामना किया है। 2011 में लखनऊ में उनका पहला हमला हुआ था, और फिर 2013 में हरियाणा के भिवानी में एक और स्याही फेंकने की घटना घटी। इन हमलों के बावजूद उनकी लोकप्रियता पर कोई खास असर नहीं पड़ा, और उनकी पार्टी ने इनका राजनीतिक लाभ उठाया।

# रामेश्वर से श्रीनगर तक दौड़ेगी ट्रेन

- पहला लिफ्ट अप ब्रिज बनकर तैयार

एजेंसी | चेन्नई

भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट अप ब्रिज, पंबन पुल, अब बनकर तैयार हो गया है। यह ऐतिहासिक पुल समुद्र पर बने पहले रेल पुल के रूप में महत्वपूर्ण है, जिसका निर्माण 1870 में शुरू हुआ था। लगभग 2.2 किलोमीटर लंबा यह पुल 1914 में चालू हुआ था। इसे 'मेक इन इंडिया' के तहत बनाया गया है, जो अगले 100 साल तक सुरक्षित रहेगा। आर श्रीनिवास, आरएसवीएनएल के मुख्य इंजीनियर, ने बताया कि इस पुल के माध्यम से श्रीलंका में चीन की गतिविधियों पर नजर रखने में मदद मिलेगी। पुल के पास तेज हवाओं को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा उपाय किए गए हैं, और 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से ऊपर हवाएं चलने पर ट्रेन का परिचालन बंद हो जाएगा।

# आतंकवाद 'कैंसर' बन चुका, पाकिस्तान की राजनीति को निगल रहा

## जयशंकर का पाकिस्तान पर करारा हमला

एजेंसी | नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद के समर्थन पर तीखा हमला किया, इसे 'कैंसर' करार देते हुए कहा कि यह पाकिस्तान की राजनीतिक व्यवस्था को भीतर से निगल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान की इन हरकतों से न केवल उसके पड़ोसी देशों को नुकसान हो रहा है, बल्कि पूरे उपमहाद्वीप में अस्थिरता फैल रही है। जयशंकर ने क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए पाकिस्तान से इस दृष्टिकोण को छोड़ने की अपील की।

इसके अलावा, विदेश मंत्री ने भारत और चीन के संबंधों पर चर्चा करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में भारत का दृष्टिकोण बदल चुका है। उन्होंने भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं को बताते हुए चीन से उत्पन्न चुनौतियों के लिए राष्ट्रीय ताकत को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। जयशंकर ने यह भी बताया कि भारत अब अपने दृष्टिकोण में तीन मुख्य सिद्धांतों पर आधारित है—आपसी सम्मान, आपसी संवेदनशीलता और आपसी हित। जयशंकर ने कहा कि एशिया में बहुध्रुवीयता का उदय वैश्विक बहुध्रुवीयता के लिए आवश्यक है, और भारत-चीन संबंधों का दीर्घकालिक विकास केवल द्विपक्षीय नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था को भी प्रभावित करेगा। म्यांमार और अफगानिस्तान के संदर्भ में, जयशंकर ने इन देशों के साथ भारत के मजबूत संबंधों और क्षेत्रीय स्थिरता की आवश्यकता को रेखांकित किया, और कहा कि प्रत्येक पड़ोसी देश के हित अलग-अलग हो सकते हैं, जिसे कूटनीति में ध्यान में रखना चाहिए।

# क्राइम ब्रांच ने मारा अवैध गोदान पर छापा

## खतरनाक रसायन बरामद 14 गोदान सील

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक होता है। नियमों का पालन न करने वालों पर कानूनी कार्रवाई होना तय है। कुछ ऐसा ही एक मामला ठाणे जिले से सामने आया है। ठाणे जिले में एक गोदाम में बिना आवश्यक अनुमति खतरनाक रसायनों का भंडारण किया गया था। ठाणे पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम को गुप्त सूचना मिलने पर छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया गया। दरअसल, महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक गोदाम मालिक के खिलाफ कथित तौर पर बिना आवश्यक अनुमति के परिसर में 1.35 करोड़ रुपये मूल्य के खतरनाक रसायनों का भंडारण करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

**गोदाम मालिक के खिलाफ मामला दर्ज**

सहायक पुलिस निरीक्षक श्रीराज माली ने बताया कि गोदाम मालिक के पास खतरनाक सामग्री के भंडारण के लिए आवश्यक अनुमति नहीं थी तथा दुरुपयोग को रोकने के लिए परिसर को सील कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि गोदाम मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

### दापोडा में 14 गोदामों को सील

*एक अधिकारी ने बताया कि ठाणे पुलिस की अपराध शाखा ने शुक्रवार दोपहर छापेमारी के बाद भिवंडी के दापोडा में 14 गोदामों को सील कर दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम को सभी 14 गोदामों में 1.35 करोड़ रुपये मूल्य के विभिन्न ब्रांड के रसायन मिले, जिनका सुरक्षा मानदंडों और कानूनी आवश्यकताओं का उल्लंघन करते हुए अनुचित तरीके से भंडारण किया गया था।*

# शेयर ट्रेडिंग में 14.88 करोड़ की ठगी

## बिहार के साइबर ठग को मुंबई पुलिस ने किया गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 14.88 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले कुख्यात साइबर ठग सुजीत कुमार को मुंबई पुलिस ने खगड़िया जिले के महेशखूंट थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। आरोपी कंबोडिया में स्थित कॉल सेंटर से भारतीय नागरिकों को ठगता था। इस गिरफ्तारी में खगड़िया पुलिस ने नवी मुंबई पुलिस का सहयोग किया।

### कंबोडिया से चलाता था ठगी का गोरखधंधा

जानकारी के मुताबिक, आरोपी सुजीत कुमार बन्नी नया नगर निवासी मदन कुमार का पुत्र है। सुजीत कंबोडिया में कॉल सेंटर से जुड़ा था और वहां से भारतीय नागरिकों को शेयर ट्रेडिंग में निवेश का झांसा देकर करोड़ों की ठगी करता था। पुलिस की तकनीकी जांच में पता चला कि वह फर्जी आईडी और सिम का इस्तेमाल कर ठगी को अंजाम देता था। नवी मुंबई साइबर थाना में एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि शेयर ट्रेडिंग के नाम पर उसे ठगा गया है। इस मामले की तकनीकी जांच के बाद पुलिस सुजीत के ठिकाने तक पहुंची। जांच से यह खुलासा हुआ कि सुजीत खगड़िया जिले का निवासी है और कंबोडिया में रहते हुए भारतीयों को ठगता है। इसके बाद नवी मुंबई पुलिस रविवार को खगड़िया पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से सुजीत को उसके घर से गिरफ्तार किया। महेशखूंट थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार ने बताया कि पूछताछ के दौरान सुजीत ने अपना जुर्म कबूल किया है। उसने स्वीकार किया कि वह कंबोडिया में रहकर भारतीय सिम कार्ड और फर्जी आईडी का उपयोग कर ठगी करता था।

## खबर संक्षेप

### खड़े ट्रक से 150 लीटर डीजल चोरी

**उल्हासनगर।** शांतिनगर परिसर में पार्क कर खड़ी एक ट्रक से अज्ञात चोर द्वारा 150 लीटर डीजल चोरी करने का मामला सामने आया है। सेंट्रल पुलिस ने मामला दर्ज कर चोर की तलाश में जुट गयी है। गुजरात राज्य से ट्रक चालक प्रताप हनुमान राम (36) उल्हासनगर में सामान लोड करने आया था। शुक्रवार रात के समय उन्होंने अपना अशोक लीलैंड कंपनी का ट्रक उल्हासनगर-3 के शांतिनगर परिसर के एम्ब्रोसिया होटल के सामने खड़ा किया था। इसी बीच सुबह 5:30 बजे के करीब जब वह ट्रक के पास आया तो देखा कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने पाइप की सहायता से ट्रक के डीजल टैंक से 150 लीटर डीजल चोरी कर लिया है।

### यौन शोषण मामले में काउंसलर के खिलाफ मामला दर्ज

**नागपुर।** कई छात्राओं का यौन शोषण करने वाले तथाकथित काउंसलर विजय घायवत के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित एक छात्रा ने आगे आकर आरोपी विजय के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। विजय के खिलाफ हुडकेश्वर थाने में यह चौथा मामला दर्ज है। करियर काउंसलिंग की आड़ में हुडकेश्वर में मानसिक विकास केंद्र चलाने वाला विजय नागपुर और पड़ोसी जिलों की छात्राओं का यौन शोषण करता था। वह अपनी महिला छात्राओं को मार्गदर्शन देने के बहाने अपने केंद्र में रखता था। वहां उसने कुछ महिला छात्राओं के साथ अंतरंग संबंध बनाए और उनका शोषण किया। अधिकांश छात्र नाबालिग थीं। इस मामले में गिरफ्तारी के बाद जांच के दौरान पुलिस को ट्रॉमा सेंटर से क्लिपिंग, फोटो और सीसीटीवी फुटेज मिले थे। जिसमें यह बात सामने आई कि उसने कई छात्राओं को अपना निशाना बनाया था। 4 जनवरी को दो मामले दर्ज किए गए। अब चौथा मामला दर्ज किया गया है। 3 साल पहले आरोपी ने एक नाबालिग छात्रा के साथ बलात्कार किया था।

# 20 साल से रह रहा अवैध बांग्लादेशी गिरफ्तार

## 7 आधार-पैन कार्ड सहित अन्य दस्तावेज बरामद

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

हाल ही में अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ एटीएस की टीम ने कड़ा एक्शन लिया है। इस दौरान अवैध तरीके से महाराष्ट्र में रह रहे अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ एक्शन लिया है। इसी दौरान पुलिस ने पुणे से एक और बांग्लादेशी को गिरफ्तार किया है। पुणे शहर की पुलिस ने 34 वर्षीय बांग्लादेशी नागरिक एहसान हाफिज शेख को गिरफ्तार किया है, जो पिछले 20 वर्षों से अवैध रूप से भारत में रह रहा था। शेख, जो वर्तमान में पुणे के महर्षि नगर इलाके में रह रहा है, को शुक्रवार को स्वारगेट पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज करने के बाद हिरासत में लिया गया।

### रिश्तेदारों का मिला मोबाइल नंबर

पतित पावन संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा बांग्लादेशी नागरिक होने के संदेह में उसे स्वारगेट पुलिस स्टेशन लाए जाने के बाद शेख को गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि शेख मूल रूप से बांग्लादेश के मैमनसिंह जिले का रहने वाला है। पुलिस को उसके सेल फोन पर बांग्लादेश में उसके रिश्तेदारों के मोबाइल नंबर भी मिले। एफआईआर के अनुसार, शेख ने 2004 में उचित अनुमति के बिना अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया। उसने कथित तौर पर एजेंटों की मदद से कोलकाता से एक फर्जी जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किया, जिसका इस्तेमाल उसने भारतीय पासपोर्ट सहित अन्य दस्तावेज हासिल करने के लिए किया।

### विदेशी मुद्राएं बरामद

एफआईआर के अनुसार, पुलिस ने उसके घर की तलाशी के दौरान शेख के घर से सात आधार कार्ड, दो मतदाता पहचान पत्र, दो ड्राइविंग लाइसेंस, सात पैन कार्ड, चार पासपोर्ट, नौ डेबिट कार्ड, नौ क्रेडिट कार्ड, एक यूनिवर्सल पास, आठ जन्म प्रमाण पत्र और बांग्लादेश, पाकिस्तान, मलेशिया, सऊदी अरब, यूएई, कुवैत और कतर की मुद्रा बरामद की। पुलिस ने उसका सेल फोन, सिम कार्ड, व्यावसायिक दस्तावेज और एक मकान किराया समझौता भी जब्त किया। वह 2009 में पुणे आया था। 2012 में महर्षि नगर में बसने से पहले वह कई जगहों पर रहा और काम किया, जहां उसने एक कपड़े की दुकान खोली।पुलिस ने शेख पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318, 336, 338 और 340 और पासपोर्ट अधिनियम और विदेशी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आगे की जांच के लिए मामला दर्ज किया है।

# साले को फ़साने के लिए जीजा ने रचि साजिश

- झूठे बलात्कार के आरोप का पर्दाफाश
- वकील निकला मुख्य आरोपी
- दो गिरफ्तार महिला व वकील फरार

डीबीडी संवाददाता | बदलापुर

बदलापुर में एक महिला ने नौकरी के लिए साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने के बाद उत्पीड़न का एक मामला दर्ज कराया था। इस अपराध की जांच में चौंकाने वाला सच सामने आया कि उल्हासनगर के एक वकील ने अपने साले को झूठे अपराध में फंसाने के लिए पूरी साजिश रची थी। बदलापुर ईस्ट पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज कर दो लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि साजिश रचने वाला वकील और प्रताड़ना का झूठा मामला दर्ज कराने वाली महिला फरार हैं।

बता दें कि उल्हासनगर के रहने वाले जगदीश चौहान ने अपने वकील बेटे व पानी विक्रेता सन्नी चौहान का विवाह लखनऊ के रहने वाले दुर्गेश सिंह की बेटी के साथ धूमधाम से किया था। दुर्गेश सिंह ने विवाह में कोई कमी नहीं की थी। विवाह के कुछ दिनों बाद से ही सन्नी द्वारा पत्नी अनामिका के साथ मारपीट व पैसे की मांग को लेकर वकील सन्नी चौहान पर उसकी पत्नी ने घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया है।

### सदमें से गई सांस की जान

दामाद सन्नी चौहान द्वारा पिछले कई महीने से पुलिस स्टेशन में पति दुर्गेश व बेटी अनामिका बेटे अभिषेक को मिल रहे शिकायत से पहले ही परेशान थी उस पर लखनऊ निवास पर पुलिस के दस्तक व महिला द्वारा बलात्कर का आरोप का मामला दर्ज होना वह सह नहीं पायी और सदमे (कोमा) में चली गई और 14 जनवरी को मंजू दुर्गेश सिंह (60) की मौत को गयी।

हालांकि वकील सनी को संदेह था कि उसकी पत्नी को उसका भाई अभिषेक बहका रहा है। इसलिए वकील ने अभिषेक को फसाने के लिए बलात्कार के मामले में फंसाने की झूठी साजिश रची। और उसने उल्हासनगर कैम्प दो की एक महिला को साजिश में शामिल करके पूरी योजना बनाई थी।

इसी बीच इस मामले में प्रथमेश यादव नामक युवक ने अभिषेक के नाम से फर्जी आधार कार्ड पर अभिषेक सिंह के नाम का सिम लिया फिर स्नैपचैट अकाउंट खोला और झूठी साजिश को सही साबित करने के लिए लखनऊ गया और उसके घर के पास संबंधित महिला से चैटिंग शुरू कर दी। जिसमें महिला को नौकरी के लिए साक्षात्कार के लिए बदलापुर स्थित लॉज में आने को भी कहा। साजिश में शामिल शर्मा नामक महिला व पोप तानी ने लॉज में फर्जी आधार कार्ड के जरिये कमरा बुक किया। उसके बाद महिला सीधे बदलापुर (ईस्ट) पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि अभिषेक ने उसे प्रताड़ित किया है।पुलिस ने इस मामले को गम्भीरता से लेते हुए अभिषेक की तलाश शुरू कर थी।और बदलापुर पुलिस यूपी के लखनऊ में अभिषेक को गिरफ्तार करने पहुंची, जांच के दौरान पता चला अभिषेक सिंह मुंबई गया ही नहीं। उसके घर व दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे से साफ हो गया।

बदलापुर पुलिस लखनऊ से बैरंग लौटने के बाद नए सिरे से जांच में जुट गई। जिसमें महिला के साथ लॉज में जाने वाला व्यक्ति अभिषेक नहीं था। जांच में पता चला कि मुख्य आरोपी पेशे से वकील सनी चौहान और उसके अन्य साथियों के साथ-साथ शिकायतकर्ता महिला भी इस घटना में शामिल थी। लखनऊ, उत्तर प्रदेश के अभिषेक सिंह को झूठे मामले में फंसाने के लिए अपराध किया गया। परिणामस्वरूप, अपराध में कुल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।और मुख्य आरोपी महिला व सन्नी चौहान फरार है जिसकी तलाश में बदलापुर पुलिस जुट गयी है।जल्द की गिरफ्तार करने की बात पुलिस ने कही है। वही इस कार्रवाई में वरिष्ठ अधिकारियों की सटीक रणनीति और तकनीकी जांच ने अहम भूमिका निभाई। बदलापुर पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई से एक निर्दोष व्यक्ति को न्याय मिला है। इस मामले की सराहना जोन चार के डीसीपी सचिन गोरे और अन्य पुलिस अधिकारियों ने की है।

### बंद फैक्ट्री में मिला शव, पुलिस जुटी जांच में

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी के एक बंद फैक्ट्री में शुक्रवार को 40-50 साल के व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिलने का मामला सामने आया। फैक्ट्री मालिक अपने ग्राहक को प्रॉपर्टी दिखाने ले गया था, तभी शव देखकर उसने पुलिस को सूचना दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

#### कई दिनों से पड़ा था शव

निजामपुरा पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। प्राथमिक अनुमान है कि व्यक्ति की मृत्यु कई दिन पहले हुई होगी। फैक्ट्री लंबे समय से बंद थी, जिसके कारण शव का पहले पता नहीं चल सका।

#### जांच के लिए अपील

पुलिस ने स्थानीय निवासियों से अपील की है कि मृतक की पहचान से जुड़ी कोई जानकारी हो तो साझा करें। पुलिस विभिन्न एंगल से जांच कर रही है, जैसे व्यक्ति फैक्ट्री के अंदर कैसे पहुंचा और मौत का कारण क्या हो सकता है।

# वेतन की मांग पर भवन निर्माता ने दो भाइयों की पिटाई की

सुशील सिंह | कल्याण

डोंबिवली के निकट पलावा में एक भवन निर्माता ने अपने कार्यालय में दो कर्मचारी की पिटाई की। यह घटना तब हुई जब कर्मचारियों ने लंबित वेतन की मांग की। भवन निर्माता ने कर्मचारियों को बुलाकर कहा कि वह उन्हें वेतन देगा, लेकिन जब उन्होंने अपनी मांग की, तो गाली-गलौज करते हुए लकड़ी की लाठी से उनकी पिटाई कर दी। दोनों भाइयों को गंभीर चोटें आईं और वे इस घटना से भयभीत हो गए। उन्होंने तुरंत मानपाड़ा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने चिकित्सा रिपोर्ट के आधार पर मंगलवार को भवन निर्माता के

खिलाफ मामला दर्ज किया है।

राज शाह नामक कर्मचारी ने पुलिस को बताया कि वह अपने भाई के साथ भांडुप में रहता है और दोनों ठाणे में भवन निर्माता के प्रोजेक्ट में बागवानी के रखरखाव का काम करते हैं। उन्हें प्रति माह 14,000 रुपये वेतन मिलता है, लेकिन आर्थिक कठिनाइयों के कारण उन्होंने भवन निर्माता से अग्रिम 3,000 रुपये लिए थे। इस कारण उन्हें शेष 11,000 रुपये की मांग करनी पड़ी।

सोमवार की शाम को, भवन निर्माता ने उन्हें रो हाउस के कार्यालय में बुलाया। वेतन मिलने की उम्मीद में वे वहां पहुंचे, लेकिन भवन निर्माता ने उनसे पूछा कि वेतन मांगने का क्या मतलब है। इसके बाद उसने गाली-गलौज करते हुए लकड़ी की लाठी से उनकी पिटाई कर दी। इस हमले में उनके कंधे, घुटने और कोहनी में चोटें आईं। पिटाई के दौरान उनका मोबाइल फोन भी गिरकर टूट गया, जिससे उनका सिम कार्ड भी क्षतिग्रस्त हो गया।

इस घटना के बाद, दोनों भाइयों ने मानपाड़ा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उन्हें शास्त्रीनगर अस्पताल में चिकित्सा उपचार के लिए भेजा।

### कल्याण में पुलिस की गिरफ्त से आरोपी फरार, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

शनिवार को एक चौंकाने वाली घटना में पुलिस की गिरफ्त से एक आरोपी फरार हो गया। यह घटना उस समय हुई जब पुलिस आरोपी संजू वाघेरी को चोरी के मामले में न्यायालय से आधारवाड़ी कारागृह ले जा रही थी। संजू वाघेरी, जो उल्हासनगर पुलिस थाने में दर्ज चोरी के मामले का आरोपी है, को कल्याण न्यायालय में पेश किया गया था। न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद, पुलिस उसे एक वाहन में बैठाकर कारागृह ले जा रही थी। जब पुलिस का वाहन कल्याण के निकी नगर चौक के पास पहुंचा, तभी संजू ने अचानक गाड़ी से कूदकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने तुरंत आरोपी का पीछा किया और उसे पकड़ने के लिए शहर के विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, दो घंटे की खोज के बाद भी पुलिस को संजू वाघेरी का कोई सुराग नहीं मिला। इस घटना ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की लापरवाही की आलोचना की है और मांग की है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि वे आरोपी की तलाश जारी रखेंगे और इस मामले की जांच करेंगे कि कैसे आरोपी पुलिस की गिरफ्त से भागने में सफल रहा।

# 'स्वामित्व' योजना के अंतर्गत ग्राम सर्वेक्षण प्रमाण पत्र प्रधानमंत्री के हाथों ऑनलाइन वितरण

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि गांवों में लाखों नागरिकों के भूमि विवाद अभी भी चल रहे हैं। और वह अपनी जमीनी विवाद को लेकर चिंतित रहते हैं। उनके पास अपने घर के कागजात नहीं हैं, जमीन कहां पर है वह मालूम नहीं हैं। इसीलिए बिना जाने-समझे इस पर कब्जा कर लिया जाता है। कोर्ट का चक्कर लगाते-लगाते कई पीढ़ी बर्बाद हो जाती है। ऐसी स्थिति में लोग समय, मेहनत और पैसा बर्बाद करते हैं। देश के ऐसे करोड़ों लोगों को चिंता से मुक्त करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'स्वामित्व' योजना लेकर आये। यह सिर्फ सरकारी योजना नहीं बल्कि ग्रामीण विकास के लिए उत्तम है। जिला अधिकारी कार्यालय पर स्थित नियोजन भवन में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे,स्थानीय

जनप्रतिनिधि व स्वामित्व योजना के लाभार्थियों के उपस्थिति में 'स्वामित्व' योजना के अंतर्गत ग्राम सर्वेक्षण प्रमाण पत्र वितरण ऑनलाइन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों से टेलीविजन प्रणाली के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर सांसद नरेश म्हस्के, विधायक संजय केलकर, विधायक निरंजन डावखरे,जिलाधिकारी अशोक शिनगारे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे,अतिरिक्त जिलाधिकारी मनीषा जायभाये-धुले,निवासी उपजिलाधिकारी डॉ. संदीप माने, जिला अधीक्षक भूमि अभिलेख बाबासाहेब रेडेकर, जिला योजना अधिकारी वैभव कुलकर्णी,उपजिलाधिकारी हरिश्चंद्र पाटिल, विकास गजरे, मल्लिकार्जुन माने, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रमोद काले, भू-अभिलेख कार्यालय के अन्य अधिकारी-कर्मचारी सहित स्वामित्व योजना के लाभार्थी उपस्थित थे।

# मुंबई-नासिक हाइवे पर खरेगांव फ्लाईओवर के डिवाइडर का एक हिस्सा 50 फीट तक ढहा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मुंबई महानगर क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाले मुंबई-नासिक एक्सप्रेसवे पर खारेगांव में खादी ब्रिज के डिवाइडर का एक हिस्सा ढह गया। सुरक्षा कारणों से प्रभावित क्षेत्रों में बैरिकेडिंग लगाए गए हैं। हालांकि पुल पर सड़कें अच्छी स्थिति में हैं और पुल के दोनों ओर ट्रैफिक सुचारू रूप से चल रहा है। राज्य सड़क विकास निगम प्रशासन ने यह भी बताया कि इस डिवाइडर की मरम्मत का कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा।

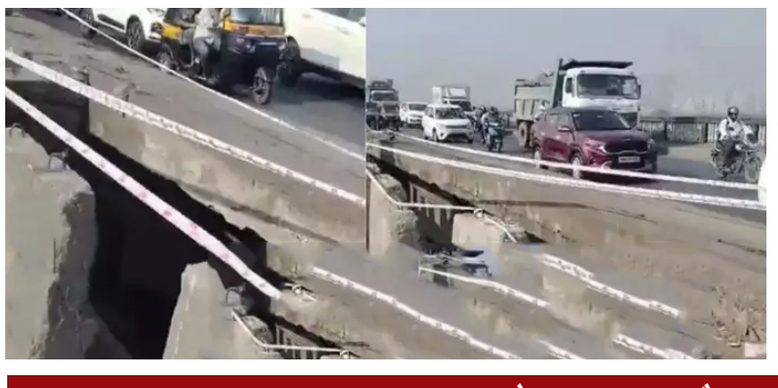

### अब कहां से जाएंगे वाहन?

भारी वाहनों को उरण स्थित जेएनपीटी बंदरगाह से नासिक, गुजरात और भिवंडी की ओर ले जाया जाता है। ये वाहन मुंबई-नासिक एक्सप्रेसवे पर खारेगांव से मुंब्रा बाईपास होते हुए नासिक और भिवंडी जाते हैं। कुछ वाहन भिवंडी होते हुए गुजरात की ओर जा रहे हैं। इसके अलावा अन्य निजी वाहनों का भी आवागमन लगातार बना रहता है। यदि इस मार्ग पर कोई वाहन खराब हो जाता है या दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है, तो इससे इस मार्ग पर जाम की स्थिति पैदा हो जाती है और मुंबई महानगर की अन्य सड़कें भी प्रभावित होती हैं। इसलिए यह मार्ग महत्वपूर्ण माना जाता है।

#### 30 से 35 साल पुराना है पुल

इसके अलावा, समृद्धि महामार्ग को भी इस सड़क से जोड़ा जाएगा और इसके लिए सड़क को चौड़ा करने का काम चल रहा है। खारेगांव खाड़ी पुल 30 से 35 साल पुराना है और इसके बगल में नए पुलों का निर्माण किया जा रहा है। इस कार्य के बाद पुराने पुल को मजबूत करने का कार्य किया जाएगा। इस बीच, शनिवार रात गल्फ ब्रिज के डिवाइडर का एक हिस्सा गिर गया। यहां नए क्रीक ब्रिज पर काम कर रहे श्रमिकों ने यह देखा और राज्य सड़क विकास निगम के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और सुरक्षा कारणों से प्रभावित क्षेत्र में अवरोधक लगा दिए।

# समंदर के नीचे सुरंग का अश्विनी वैष्णव ने लिया जायजा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/ ठाणे

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की समंदर के नीचे सुरंग के काम का निरीक्षण किया और इस मेगा मल्टी-बिलियन डॉलर परियोजना पर 'अच्छी प्रगति' पर संतोष व्यक्त किया। बता दें कि, 21 किलोमीटर लंबी सुरंग, जिसमें ठाणे क्रीक के नीचे 7 किलोमीटर का हिस्सा शामिल है, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्टेशन को शिलफाटा से जोड़ेगी। समंदर के नीचे सुरंग देश में अपनी तरह की पहली सुरंग है।

### '250 किमी प्रति घंटे की गति से गुजर सकती हैं दो ट्रेनें'

नवी मुंबई के घनसोली में साइट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि समंदर के नीचे सुरंग को बहुत सावधानी से डिजाइन किया गया है और इसका निर्माण किया जा रहा है। 'इस सुरंग के डिजाइन और इस्तेमाल की जा रही तकनीक से दो ट्रेनें 250 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से गुजर सकती हैं। वेंटिलेशन और लाइटिंग के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखा गया है। परियोजना के 340 किलोमीटर हिस्से पर निर्माण अच्छी प्रगति पर है'।

### 'बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्टेशन एक इंजीनियरिंग चमत्कार'

उन्होंने कहा कि कोलकाता मेट्रो की नदी के नीचे की सुरंग की तुलना में समुद्र के नीचे की सुरंग में ट्रेनें बहुत अधिक गति से गुजर सकती हैं। 'परियोजना में नदियों पर पुल निर्माण और स्टेशन के बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण प्रगति देखी जा रही है। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में स्टेशन एक इंजीनियरिंग चमत्कार है, जिसमें 10 भूमिगत मंजिलों और सात ऊपर की मंजिलों की विशेषता वाला एक अनूठा डिजाइन है। हाई-स्पीड रेल परियोजना तय समय पर चल रही है, जापानी विशेषज्ञ चल रहे काम का निरीक्षण और अनुमोदन कर रहे हैं'।

### 'भारत के बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास को बढ़ावा'

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि, 'कॉरिडोर के साथ स्टेशन शहरी विकास को बढ़ावा देंगे और यात्रा के समय को काफी कम करके दैनिक यात्रियों की उत्पादकता बढ़ाएंगे। हाई-स्पीड ट्रेन को एक परिवहन परियोजना के रूप में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के एकीकरण के रूप में देखें। वैष्णव ने कहा, ₹इससे भारत के बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।' उन्होंने भारतीय इंजीनियरों के प्रयासों की सराहना की, जिनकी विशेषज्ञता ने परियोजना की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यह पूरे देश के लिए गर्व की बात है।

### मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन मार्ग 508 किलोमीटर लंबा है, जिसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोइसर (महाराष्ट्र में), वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती (गुजरात में) में 12 स्टेशन हैं। 1.08 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाली इस परियोजना का मुख्य आकर्षण 21 किलोमीटर लंबी समुद्र के नीचे सुरंग है। अधिकारियों ने कहा कि यह एक सिंगल ट्यूब सुरंग होगी, जिसमें दो ट्रैक होंगे। सुरंग से सटे 37 स्थानों पर 39 उपकरण कक्ष बनाए जा रहे हैं। मुंबई-अहमदाबाद एचएसआर परियोजना को जापानी रेलवे के सहयोग से डिजाइन किया गया है।

# प्रौद्योगिकी की मदद से स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव : सीएम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई



मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को मुंबई में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) की मदद से मानव जीवन में कई सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं। राज्य सरकार स्वास्थ्य, कृषि और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक का उपयोग कर नागरिकों के जीवन को आसान बनाने का प्रयास कर रही है।

### 'कई अन्य बुनियादी ढांचागत कार्य भी प्रगति पर'

मुख्यमंत्री फडणवीस 'पैन आईआईटी वर्ल्ड ऑफ टेक्नोलॉजी' की ओर से जियो कन्वेंशन सेंटर में आयोजित वैश्विक सम्मेलन 2025 में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि देश में बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है।

मुंबई में तटीय सडक़ और अटल सेतु परियोजनाओं ने यातायात को सुचारू और तीव्र बना दिया है। मुंबई में कई अन्य बुनियादी ढांचागत कार्य भी प्रगति पर हैं। राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है। महात्मा फुले जन आरोग्य योजना के तहत राज्य सरकार हर साल प्रति परिवार पांच लाख रुपये तक मुफ्त चिकित्सा उपचार सुविधा प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण चुनौतियों के कारण कृषि क्षेत्र में कई समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इन चुनौतियों का सामना तकनीकी सहायता से किया जा सकता है।

इस अवसर पर दुबई आर्थिक विकास प्राधिकरण के सीईओ हादी बद्री, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रोफेसर अभय करंदीकर, प्रख्यात वैज्ञानिक रघुनाथ माशेलकर, पैन आईआईटी के अध्यक्ष देवाशीष भट्टाचार्य, शरद सराफ, अशोक झुनझुनवाला आदि उपस्थित थे।

# बेस्ट बस-कार की टक्कर में विधायक बाल-बाल बचे

**मुंबई।** दादर में शनिवार दोपहर एक बेस्ट बस ने शिवसेना ठाकरे गुट के विधायक सुनील शिंदे की कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में कार क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन विधायक सुनील शिंदे बाल-बाल बच गए। इस घटना की जांच सैतान चौकी पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है।

पुलिस के अनुसार शिवसेना यूबीटी के विधायक सुनील शिंदे एक कार्यक्रम के लिए प्रभादेवी जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार दादर इलाके से गुजर रही थी, एक बेस्ट बस ने उनकी कार को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनकी कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया लेकिन सुनील शिंदे इस दुर्घटना में बाल-बाल बच गये।

**पश्चिम रेलवे**

**रखरखाव और मरम्मत कार्य**

सीनियर डीईई/पी/बीसीटी ई-टेंडर नोटिस संख्या: EL-Maint-81-892-WA-14 दिनांक: 15.01.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य और स्थान:** चर्चगेट भेस्तानः दो वर्षों के लिए विभिन्न आकार के हाई मास्ट का रखरखाव और मरम्मत। **कार्य की अनुमानित लागत:** 89,65,644.00/- **ईएमडी:** 1,79,300/- **जमा करने की तिथि और समय:** 11.02.2025, 15.00 बजे तक। **खुलने की तिथि और समय:** 11.02.2025 को 15.30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ।

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly 0972

# NCP में विवाद! भुजबल का शिविर से बाहर निकलना चर्चा में

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद एनसीपी में अंदरूनी खींचतान बढ़ती नजर आ रही है। पार्टी के दो दिवसीय नव संकल्प शिविर के दौरान वरिष्ठ नेता और विधायक छगन भुजबल के असंतोष ने सुर्खियां बटोरीं। शिर्डी में आयोजित इस शिविर में उपमुख्यमंत्री अजित पवार, सांसद प्रफुल्ल पटेल, प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे समेत कई बड़े नेता शामिल हुए। हालांकि, छगन भुजबल केवल दो घंटे ही शिविर में रुके और अजित पवार से बातचीत किए बिना ही वापस चले गए।

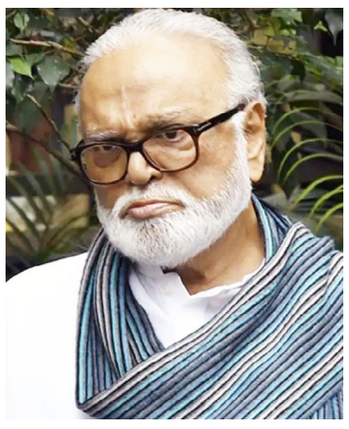



### नाराजगी के संकेत

भुजबल ने स्पष्ट किया कि अजित पवार ने शिविर के लिए उनसे संपर्क नहीं किया था। उन्होंने कहा, ₹यह पार्टी का शिविर है, किसी व्यक्ति का नहीं। प्रफुल्ल पटेल और तटकरे ने मुझे आने के लिए कहा, इसलिए आया।

### मंत्री पद न मिलने से नाराजगी?

महायुति सरकार 2.0 में मंत्री पद न मिलने से भुजबल की नाराजगी की अटकलें पहले से ही चल रही थीं। हालांकि, प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने दावा किया था कि उन्हें मना लिया गया है।

### साई बाबा के दर्शन का हवाला

शिविर छोड़ने के बाद भुजबल ने कहा कि वह शिर्डी साई बाबा के दर्शन के लिए अक्सर आते हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि ₹राज्य में कई तूफान आए और गए, लेकिन समता परिषद का काम जारी रहेगा। भुजबल की नाराजगी और शिविर में उनकी संक्षिप्त उपस्थिति ने एनसीपी के भीतर मतभेदों को उजागर कर दिया है। आगामी निकाय चुनावों के बीच यह विवाद पार्टी के लिए नई चुनौती साबित हो सकता है।

**पश्चिम रेलवे**

**विभिन्न कार्य**

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (निर्माण), पश्चिम रेलवे, प्रथम तल स्टेशन भवन, चर्चगेट, मुंबई - 400 020 **निविदा सूचना संख्या EL-TR-C-CCG-AFL-03-2024-25 आमंत्रित करता है। कार्य का नाम:** पश्चिम रेलवे के मुंबई, वडोदरा और रतलाम डिवीजनों में मुंबई-एनडीएलएस-रूट पर एसपी, एसएसपी और टीएसएस के लिए ऑटो ट्रांसफार्मर न्यूट्रल करंट अनुपात पर आधारित 2x25 केवी एसी ट्रैक्शन सिस्टम के लिए स्वचालित फॉल्ट लोकेटर (एएफएल) की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग, मौजूदा मुंबई-नई दिल्ली मार्ग पर 160 किमी प्रति घंटे की गति बढ़ाने के संबंध में। **एनआईटी लागत:** 10,12,60,000/- **ईएमडी:** 6,56,300/- **ई-बिड जमा करने की अंतिम तिथि:** 11.02.2025, 15:00 बजे **ई-बिड खोलने की तिथि (तकनीकी बोली):** 11.02.2025 को 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं 0976

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

**सार्वजनिक सुचना**

इस सार्वजनिक सुचना के माध्यम से जनता ऋणदाताओं और सभी इच्छुक पक्षकारों को सुचित किया जाता है कि, श्री. क्षमेंद्र पृथ्वीनाथ गंजू, पीरामल कैपीटल ॲण्ड हौसिंग फायनान्स लि. से फ्लॅट नं. ५०३, पाचवा महला, बी-विंग, न्यू स्टार एवेन्यू को. ऑप. हौ. सोसायटी लि., रामदेव पार्क मिरा भायंदर रोड, मीरा रोडा (पुर्व), ठाणे ४०११०७ में स्थित फ्लॅट के लिए प्राप्त आवास ऋण से संबंधित मूल दस्तावेंजो का दावा करने की प्रक्रिया में है। यह आवास ऋण श्री. क्षमेंद्र पृथ्वीनाथ गंजू, और श्रीमती निम्मी क्षमेंद्र गंजू सह उधार (Co-Borrower) लिया गया था। हम दुख के साथ यह घोषणा करते है कि श्री. क्षमेंद्र पृथ्वीनाथ गंजू का दि. १७-०८-२०२३ को मीरा रोड, ठाणे मे देहांत हो गया है।

ऋण पूरी तरह से चुका दिया गया है, और पीरामल कैपीटल ॲण्ड हौसिंग फायनन्स लि. के सभी दायित्वों को पुरा किया गया है। इस प्रकार मैं श्रीमती निम्मी क्षमेंद्र गंजू उक्त फ्लॅट के लिए आवास ऋण से संबंधित मूल दस्तावेजों का दावा करने के लिए आवश्यक कदम उठा रही हूँ। उपरोक्त फ्लॅट के संबंध में कोई भी व्यक्ति, पक्षकार, संस्था, जो बंधक (Mortgage), विक्री (Sale), उपहार (Gift), लेट आऊट, सबलेट या किसी अन्य रूप में किसी भी प्रकार का कोई अधिकार, शीर्षक दावा या रूचि रखता है उसे इस सुचना के प्रकाशन की तिथी से १४ दिनों के भीतर इस संबंध में दस्तावेजी साक्ष्य के साथ लिखित में अपना दावा करना होगा, १४ दिन के भीतर कोई दावा प्राप्त न होने पर "कोई दावा नही है" ऐसा माना जाएगा।

दिनांक : १७-०१-२०२५ स्थान : ठाणे

रिद्धी-सिद्धी अपार्टमेंट, फ्लॅट नं. २०६, काल्हेर, भिवंडी, ठाणे-४२१३०२

सही/-

**ॲड. ए. के. दुबे**

वकील जिल्हा व सत्र न्यायालय, ठाणे

# 'मुंबई में सेलिब्रिटी...गांव में सरपंच सुरक्षित नहीं'

कांग्रेस चीफ नाना पटोले ने फडणवीस के साथ BJP पर बोला हमला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई में पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या, फिर बीड में संतोष देशमुख का मर्डर और अब सैफ अली खान पर हमले को लेकर कांग्रेस ने महायुति सरकार पर बड़ा हमला बोला है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस समिति के प्रमुख नाना पटोले ने शनिवार को कहा कि अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले को धर्म के नजरिए से न देखें। छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्य में जाति आधारित भेदभाव की कोई जगह नहीं है। पटोले ने पूछा कि मुंबई में अगर सेलिब्रिटी और गांव के सरपंच सुरक्षित नहीं हैं तो आम आदमी की क्या हालत होगी? पटोले ने कहा कि राज्य की खराब कानून व्यवस्था के लिए सिर्फ गृह मंत्री जिम्मेदार नहीं है। राज्य में गृह विभाग खुद सीएम फडणवीस के पास है।

### दिल्ली में 'जंगलराज' की चर्चा

पटोले ने कहा कि यह कहने की जरूरत नहीं कि महाराष्ट्र में जंगल राज कायम हो गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज दिल्ली में महाराष्ट्र की चर्चा जंगलराज के रूप में हो रही है। बीजेपी सरकार ने महाराष्ट्र को कलंकित किया है और बीजेपी को सत्ता के लिए आतंक पैदा करना बंद करना चाहिए। ऐसी स्थिति में जहां राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है, मुंबई में सेलिब्रिटी सुरक्षित नहीं हैं और गांव में सरपंच सुरक्षित नहीं हैं, आम लोगों की सुरक्षा का क्या? नागपुर में मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि राज्य में स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई है।

### मंत्रिमंडल में 65 फीसदी मंत्री भ्रष्ट

पटोले ने कहा कि अपराधियों ने यह मानसिकता विकसित कर ली है कि कोई भी उन्हें नुकसान नहीं पहुंचा सकता।

राज्य में कानून व्यवस्था के लिए सिर्फ गृह मंत्री ही जिम्मेदार नहीं हैं। अगर कैबिनेट में 65 फीसदी मंत्री भ्रष्ट हों तो क्या तस्वीर बदलेगी? लेकिन इस स्थिति को बदलना होगा। अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले को जाति आधारित नजरिए से न देखें। छत्रपति शिवाजी महाराज के महाराष्ट्र में जाति-आधारित भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है, इस राज्य में सभी जातियों और धर्मों के लोगों को सुरक्षित रहना चाहिए। मासाजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या और परभणी में पुलिस पिटाई से सोमनाथ सूर्यवंशी की मौत को जातिवाद से जोड़ना भी गलत है।

# केईएम अस्पताल का शताब्दी समारोह समाज के लिए उपयोगी : मुख्यमंत्री




**मुंबई।** मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को मुंबई में कहा कि केईएम अस्पताल मुंबई के सामाजिक जीवन में एक महत्वपूर्ण संस्था है, जो समाज के लिए उपयोगी साबित हो रहा है।

सेठ गोवर्धन दास सुंदर दास मेडिकल कॉलेज और किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल का शताब्दी उद्घाटन समारोह केईएम अस्पताल में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्वास्थ्य क्षेत्र के संस्थान के लिए अपनी स्वर्ण जयंती या शताब्दी मनाना गौरव की बात होती है। केईएम मुंबई के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एक अग्रणी नाम है। यह



संस्था अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर चुकी है और यह वर्ष समाज के लिए उपयोगी होना चाहिए। मुख्यमंत्री फडणवीस ने संस्थान की 100 साल की यात्रा में समर्पण के साथ काम करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के प्रयोग से स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा बदलाव आ रहा है। राज्य सरकार नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में भी व्यापक सुधार कर रही है। महात्मा फुले जन आरोग्य योजना के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। इस अवसर पर कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा, विधायक अजय चौधरी, कालिदास कोलंबकर, राजहंस सिंह, नगर आयुक्त भूषण गगरानी, अतिरिक्त आयुक्त बिपिन शर्मा और डीन संगीता रावत आदि उपस्थित थे।

**वसई विरार शहर महानगरपालिका**

**प्रभाग समिती डी आचोळे, नालासोपारा (पु)**

**दूरध्वनी क्र. 7219370006/ 7219370009**

जा.क्र. वविशम/कवि/ 203/2024-25

दिनांक - 17/01/2025

**जाहिर नोटीस**

महाराष्ट्र मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम 1949 चे कलम 469 अन्वये जाहिर नोटीस खालील मालमत्तेच्या हस्तांतरण संबंधाने वसई विरार शहर महानगरपालिका प्रभाग समिती डी कार्यालय आचोळे नालासोपारा येथे प्राप्त झालेल्या मालमत्ता धारकांच्या प्रकरणपरत्वे नोटीसीनुसार सदर हस्तांतरण संदर्भाने कोणत्याही हितसंबंधाने हरकत अगर आक्षेप असल्यास ही नोटीस प्रसिद्ध झाल्यापासून 7 दिवसाच्या आत हितसंबंधाच्या व हरकतीच्या लेखी पुराव्यासह वसई विरार शहर महानगरपालिका प्रभाग समिती डी कार्यालय आचोळे नालासोपारा येथे लेखी स्वरूपात हरकत नोंदवावी अन्यथा करवसुलीच्या सोयीसाठी सदर हस्तांतरण करून महानगरपालिका दप्तरी याबाबतची नोंद घेतली जाईल.

| अ.क्र | विभाग | मालमत्ता क्रमांक | रिसीट नं | ज्याच्या नावे मालमत्ता आहे त्याचे म्हणजे मालमत्ता विकणा-या किंवा करदात्याचे नाव | खरीददाराचे किंवा अभिहस्तांकन करदात्याचे नाव |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | आचोळे -०२ | २४७/६० | ४७२० | वसंत के.शिंदे | किशोर वसंत शिंदे |
| २ | आचोळे -१० | ३१/२९ | ४७२३ | शबाना अब्दुल रहेमान | शितल सचिन भोसले |
| ३ | आचोळे -०२ | २३४/४१ | ४७२६ | प्रजापती विनोदकुमार केशवलाल | राकेश शिवाजी पांडेय व हेमलता राकेश पांडेय |
| ४ | आचोळे -०४ | २३२/१७ | ४७२८ | मिनाक्षी मालकर | जया प्रशांत जगताप |
| ५ | आचोळे -०६ | २२/५० | ४७३० | प्रियांका सदगुरु गावडे | सुनिल कुमार पाण्डेय व कोमल सुनिल कुमार पांण्डेय |
| ६ | आचोळे -१० | ५/११ | ४७३३ | स्टार लॅन्ड प्रा.लि | स्टिफेन मिरांडा |
| ७ | आचोळे -१० | ४१६/४६ | ४७३५ | विल्सन रिबेल्लो | कमलेश दिनेशभाइ जोशी |
| ८ | आचोळे -९/१ | ६२३/६० | ४७३७ | कुंदनमल यु.जैन | गंगाभाइ हरिश्चंद्र यादव |
| ९ | आचोळे -१० | ४१५/२६ | ४७४० | नरेंद्रकुमार पाल | आशिष हर्षद हरसोरा |
| १० | आचोळे -१० | ३८३/१०६ | ४७४२ | वसंत एम.पटेल | आदर्श जे.मिश्रा व रेखा आदर्श मिश्रा |
| ११ | आचोळे -९/२ | ६४७/१०५ | ४७४६ | लोनो लॉरेन्स फर्नांडीस | सच्छिदानंद संकठाप्रसाद मिश्रा |
| १२ | आचोळे -१० | ४६९/४ | ४७४९ | तनिष्का रिअल्टी | संदेश नारायण भाटवडेकर |
| १३ | आचोळे -१० | ३४३/९ | ४७५४ | दिपक अमीन | चेतन नरेन्द्र टेलर |
| १४ | आचोळे -०४ | २२०/२२ | ४७५७ | नानासाहेब प्रल्हाद आंधळे | रसित प्रदीप अन्हाळेकर व दीपिका रसित उन्हाळेकर |
| १५ | आचोळे -९/२ | ७९०/१२६ | ४७५९ | धवल रमेश पुरोहित | भरतकुमार ईश्वरलाल पंचाळ |
| १६ | आचोळे -०८ | १४०/११ | ४७६१ | गोविंद लालसिंग मोहता | रोहित किशोरभाइ देढिया |
| १७ | आचोळे -९/१ | ५५०/१७ | ४७६३ | अरुण शामजी रेवर व वर्षा अरुण रेवर | जय प्रकाश जयकरण मिश्रा व उमा प्रकाश मिश्रा |
| १८ | आचोळे -०६ | १५५/२७ | ४७६५ | प्रकाश जैन | नरेंद्रकुमार प्रेमचंद्र तिवारी व रुपा नरेंद्र तिवारी |
| १९ | आचोळे -०२ | ३३०/१८ | ४७६७ | अनिल तिवारी | कृपेश अनिल तिवारी व मांडवी अनिल तिवारी |
| २० | आचोळे -०७ | ७६/४२ | ४७६९ | सागर मारुती येलगार | ईश्वर रामनयन यादव व सुनीता ईश्वर यादव |

सही/-

सहा. आयुक्त

प्रभाग समिती "डी" आचोळे

वसई विरार शहर महानगरपालिका

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है



संपादकीय

# शांति के लिए समझौता

यह सुखद ही कि करीब डेढ़ वर्ष से जारी इस्राइल-हमास संघर्ष खत्म करने के लिये युद्धविराम पर सहमति बन गई है। भले ही इस समझौते के लिये अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बीच संघर्ष समाप्ति का श्रेय लेने की होड़ हो, लेकिन गाजा के लोग जिस मानवीय त्रासदी से जूझ रहे थे, उन्हें जरूर इससे कुछ राहत मिलेगी। संयुक्त राष्ट्र के तमाम प्रयासों व मध्यपूर्व के इस्लामिक देशों की बार-बार की गई पहल के बावजूद अब तक शांति वार्ता सिरे न चढ़ सकी थी। जिसकी कीमत करीब पचास हजार लोगों ने अपनी जान देकर चुकायी। इस युद्ध से गाजा के विभिन्न क्षेत्रों में जो तबाही हुई है, उससे उबरने में दशकों लग सकते हैं। निस्संदेह, इस्राइल व हमास के बीच युद्ध विराम पर सहमति होना महत्वपूर्ण है, लेकिन जब तक समझौता यथार्थ में लागू होता न नजर आए, तब कुछ भी कहना जल्दीबाजी होगी। हालांकि, अक्तूबर, तेईस में हमास के हमले से आहत इस्राइल कई मोर्चों पर लगातार युद्ध से थक चुका है, लेकिन अभी अरब जगत उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। ऐसी आशंका इसीलिए भी है कि कई बार बातचीत अंतिम दौर पर पहुंचते-पहुंचते पटरी से उतरती गई है। बात और घात लगातार चलते रहे हैं। अब भविष्य में देखना होगा कि दोनों पक्ष समझौते के अमल के प्रति कितनी ईमानदारी से प्रतिबद्ध नजर आते हैं। हालांकि, अपने बंधकों की जल्द रिहाई को लेकर इस्राइल के विपक्षी राजनीतिक दलों व मंत्रिमंडल में भी मतभेद उभर रहे हैं, लेकिन इतनी लंबी लड़ाई के बाद थक चुकी इस्राइली सेना को भी राहत देने की मांग की जाती रही है। बहरहाल, युद्ध विराम के प्रश्न पर इस्राइल व हमास के बीच सहमति से शांति की उम्मीदें प्रबल हुई हैं। जहां एक ओर अमेरिका में वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन व नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौते के लिए श्रेय ले रहे हैं, वहीं ईरान इसे फलस्तीनी प्रतिरोध की जीत बता रहा है। दरअसल, हालिया समझौते में इस्राइली सेना की गाजा से वापसी, चरणबद्ध तरीके से इस्राइली बंधकों व फलस्तीनी कैदियों की रिहाई और गाजा में पुनर्निर्माण पर सहमति बनी है। इसके साथ ही गाजा के विस्थापितों को वापस लौटने की अनुमति भी दी जाएगी। अभी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को भी दूर किया जाना है। दरअसल, सात अक्तूबर 2023 को हमास के क्रूर हमलों में इस्राइल के बारह सौ लोग मारे गए थे और करीब ढाई सौ लोगों को हमास के लड़ाके सौदेबाजी के लिये बंधक बनाकर ले गए थे। साफ था कि इस अपमानजक घटना का इस्राइल प्रतिशोध लेगा,लेकिन संघर्ष करीब डेढ़ वर्ष तक चलेगा, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। हालांकि, कुछ इस्राइली बंधक रिहा किए गए, कुछ युद्ध के बीच मारे गए, लेकिन बचे बंधकों की रिहाई का भारी दबाव नेतन्याहू सरकार पर लगातार बना रहा। हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय दावा कर रहा है कि इस्राइली हमलों में अब तक पचास हजार लोग मारे गए हैं। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस संघर्ष की शुरुआत भले हमास ने की हो, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जो इसके लिये जिम्मेदार नहीं थे। हालांकि, इस बात को लेकर शंकाएं व्यक्त की जा रही हैं कि इस समझौते से फलस्तीनी संकट का स्थायी समाधान हो सकेगा। बहरहाल,युद्ध की त्रासदी व मौसम की मार झेल रहे फलस्तीनियों को को कुछ राहत जरूर मिलेगी।

# ट्रंप काल में बढ़ेगी चीन की वैश्विक भूमिका

टीएन निनान

अब जबकि डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण करने जा रहे हैं, ऐसे में दुनिया मौलिक परिवर्तन के बीच फंस गई है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे शक्तिशाली देश भी अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता सीमित बनाए रखने के लिए तैयार थे, जिसमें वे अधिकांशतः वैश्विक नियमों और सहकारी कार्रवाई का पालन करने के लिए सहमत थे। ऐसे नियम कई विषयों पर बनाए गए थे। केवल व्यापार और शुल्क ही नहीं, बल्कि परमाणु अस्त्र, समुद्रीय कानून और राष्ट्रीय सीमाओं की पवित्रता पर भी। आज दो कारणों से यह बदलने लगा है। पहला है चीन का उद्भव और उसके साथ-साथ हो रहा वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव। चीन कोई यथास्थितिवादी शक्ति नहीं है, इसलिए वह उलट-फेर कर चीजों को बदलना चाहता है और अमेरिका को चुनौती देने को बेकरार है। दूसरा है शक्ति-संपन्न राष्ट्रों में शासकों के रूप में अधियानक बनने पर उतारू लोगों का उदय : व्लादिमीर पुतिन, शी जिनपिंग और अब डोनाल्ड ट्रम्प।

इन दो घटनाक्रमों ने कुछ ऐसा फिर से जिंदा कर दिया है जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद लगभग मर चुका था, यानी महाशक्तियों द्वारा किए गए युद्ध, जिनका उद्देश्य नया इलाका हासिल करना है। इराक पर अमेरिकी युद्ध एक तरह से पूर्व-चेतावनी थी। तीन साल पहले पुतिन ने यूक्रेन पर चढ़ाई कर दी। ऐसा लगता है कि शी जिनपिंग ताइवान पर चीनी हमले की तैयारी कर रहे हैं। अब ट्रंप पनामा नहर और ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए बल प्रयोग की धमकी दे रहे हैं। अब बहुपक्षीय कार्रवाई करने की बजाय एकतरफा अभियान को प्राथमिकता दी जाने लगी है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन की घटती भूमिका एवं उपयोगिता के बीच जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए निर्धारित कार्रवाइयों का सिरे न चढ़ना चिंतनीय है। भू-राजनीति सदा ही सत्ता को लेकर रही है, लेकिन अब यह नियमों से बेलगाम हुई सत्ता विस्तार में बदलने लगी है। यह बात दक्षिण चीन सागर, गाजा का नरसंहार, तिब्बत में ब्रह्मपुत्र के ऊपर एक विशाल नया बांध और तीसरी दुनिया के सीधे संघर्ष से बचने वाले देशों को प्रभावित करने वाले आर्थिक प्रतिबंधों के मामले में एकदम सच दिखाई देती है।

इस सबके मूल में मानसिकता में आया बदलाव है, जो परस्पर निर्भरता और व्यापारिक नेटवर्क को लाभप्रद रूप में न देखकर इन्हें कमजोरी के तौर पर लेती है। इसलिए हम आधी सदी से भी ज़्यादा पुरानी व्यापार उदारीकरण की परंपरा से परे हटते दिख रहे हैं। इसके लिए, वैश्वीकरण गया भाड़ में, 'सबसे पहले मेरे देश का हित' वाली नीति अपनाना है। नेटवर्क वाली अर्थव्यवस्था छोड़ दो, आत्मनिर्भरता अपनाओ। मंडी के फायदे से बाहर निकलो, राष्ट्रीय व्यापारिक सुरक्षा पहले। कोई एक सदी पहले, जब इस सूत्र को आजमाया गया था, तो यह तरीका कारगर साबित नहीं हुआ था, लेकिन लगता नहीं कि इतिहास से मिले सबक बहुत ज़्यादा देर तक असरदार रहे। शायद सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि अतीत में नियम-निर्माण का बहुत बड़ा स्रोत यानी संयुक्त राज्य अमेरिका, अब धरती का सबसे अविश्वसनीय देश बन गया है। फाइनेंशियल टाइम्स के एक स्तंभकार ने अपने लेख में पूछा है : 'क्या अमेरिका एक बेलगाम देश बन गया है'। कोई नहीं जानता कि यह आगे क्या करने जा रहा है, और तो और इसके सहयोगी भी नहीं। यह सब दुनिया को कहीं ज़्यादा अशांत जगह बनाएगा, जहां पहले से बहुत सी अनिश्चितताएं और जोखिम व्याप्त हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जो सहकारी एजेंडे बनाए गए थे, वे पश्चिमी प्रतिमान की प्रधानता के कारण संभव हुए थे। ये कानून एवं समझौते पहले से मौजूद सत्ता संरचनाओं को दर्शाते थे और जिन्हें युद्ध से उभरे सबसे शक्तिशाली देश द्वारा लागू किया गया थे। अगर यह विश्व व्यवस्था, जैसा कि बताया जा रहा है, यदि अब टूट रही है, तो हमें मूल कारण पर वापस जाना होगा : चीन के उदय से पश्चिम के लिए बनता खतरा, एक अभूतपूर्व गति और पैमाने पर।

पश्चिमी प्रतिक्रिया – इस धारणा से प्रेरित है कि चीन ने स्वीकृत व्यापार नियमों का पालन नहीं किया, पश्चिम के औद्योगिकीकरण को नुकसान पहुंचाने के लिए व्यवस्थित रूप से काम किया। पश्चिमी प्रौद्योगिकियों को भी चुराया है– लिहाजा उस पर व्यापार प्रतिबंध, बढ़ाया टैरिफ, प्रौद्योगिकी तकनीक देने से इनकार इत्यादि अनेक अन्य उपाय किए जाएं। लेकिन शायद यह करने में बहुत देर कर दी। चीन की औद्योगिक श्रेष्ठता को कोई चुनौती नहीं दे पाएगा। पिछले साल इसने अमेरिका से 12.6 गुणा अधिक स्टील, 22 गुणा अधिक सीमेंट और तीन गुणा अधिक कारें बनाईं- जिनके इलेक्ट्रिक मॉडलों के साथ यह अब कार बाजार में जापानी और जर्मनी के वर्चस्व को पछाड़ने की हैसियत में आ चुका है। सकल वैश्विक जलपोत उत्पादन में चीनी शिपयार्ड का हिस्सा आधे से अधिक है। 2030 तक, चीन का विनिर्माण क्षेत्र समूची पश्चिमी दुनिया के कुल उत्पादन से अधिक होने का अनुमान है। ये शक्तियां केवल तभी तक उपयोगी हैं यदि चीन अपनी पहुंच विश्व बाजारों तक जारी रख पाए, जिसे घटाने की उत्तरोत्तर कोशिशें की जा रही हैं। फिर भी चीन ने 2024 में रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष का आनंद लिया, और ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने के कगार पर है। कुछ क्षेत्रों में यह तकनीक के मामले में पश्चिमी मुल्कों से आगे निकल गया है। लेकिन अब चीनी अर्थव्यवस्था को गंभीर ढांचागत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हमें सुरक्षा परिषद जैसी वर्तमान वैश्विक संस्थाओं में सुधार पर ध्यान देना होगा। आदर्श रूप से, परिषद को वीटो को समाप्त कर देना चाहिए और यूरोपीय संघ और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष तथा विश्व बैंक में प्रचलित मतदान आधारित व्यवस्था को अपनाना चाहिए। इससे आज के वीटो शक्ति संपन्न मुल्क अंतर्राष्ट्रीय राय के प्रति अधिक संवेदनशील बनेंगे। व्यापार जगत में, बुरी तरह हावी वैश्विक व्यापार नियमों की तुलना में बहुपक्षीय व्यवस्थाएं बनने की संभावना तब अधिक होगी। अफ्रीकी महाद्वीप के गरीब देशों के लिए वैश्विक समझौता जरूरी है। चाहे तो, इस मामले में मध्यम दर्जे की शक्तियां कतर से सीख ले सकती हैं और चीजों में सुधार लाने को मध्यस्थता की भूमिका निभा सकती हैं।

## जीवन मंत्र

श्री श्री रविशंकर

# निष्ठा तुम्हारी संपदा है

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो कि 'मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं; मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा।'

यदि तुम समझते हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा उसका कुछ भला कर रही है, तो यह तुम्हारी भूल है। ईश्वर या गुरु में निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तो तुम्हारी संपदा है। यह तुम्हें तुरंत बल देती है। निष्ठा तुममें स्थिरता, शांति और प्रेम लाती है। यह तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तो तुम्हें इसके लिए प्रार्थना करनी होगी, लेकिन प्रार्थना के लिए भी निष्ठा की आवश्यकता है, यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं, लेकिन यह संसार तो साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है, लेकिन वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं? वे सोचते हैं कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है, परंतु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन हैं! निष्ठा तीन प्रकार की होती है- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो कि 'मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं; मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा।' संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी, वरना तुम एक इंच भी नहीं बढ़ सकते। तुम बैंक में रुपये जमा करते हो इस निष्ठा के साथ कि वह रकम तुम्हें वापस मिल जाएगी। यदि तुम सब पर शक करोगे, तो तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरी निष्ठा ईश्वर

से जुड़ी है। ईश्वर में निष्ठा रखोगे, तभी तुम विकसित हो सकोगे।

ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हुई हैं। तुममें ये तीनों होनी चाहिए। याद रखो, तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना प्रारंभ कर दोगे। नास्तिक लोग खुद में और इस संसार में तो यकीन रखते हैं, मगर ईश्वर में नहीं रखते। परंतु वास्तव में, उनमें स्वयं के प्रति भी पूर्ण निष्ठा नहीं है और संसार के प्रति उनकी निष्ठा स्थायी हो नहीं सकती, क्योंकि संसार परिवर्तनशील है। ईश्वर, संसार और स्वयं में निष्ठा का अभाव भय को जन्म देता है। निष्ठा तुमको संपूर्ण बनाती है। संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शांति नहीं मिलती। गौर करना, यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है, तो तुममें शांति और स्वतंत्रता भी होगी। इसलिए अशांत व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। मगर यह मत भूलो, निष्ठा और विश्वास में फर्क होता है। निष्ठा आरंभ है और विश्वास परिणाम! स्वयं में निष्ठा स्वतंत्रता लाती है, संसार में निष्ठा मन को शांति देती है और ईश्वर में निष्ठा तुम्हारे अंदर प्रेम जागृत करती है। यदि तुममें निष्ठा नहीं, तो फिर प्रश्न पूछने की कोई जरूरत नहीं, क्योंकि उसके उत्तर में फिर तुम्हारी आस्था कैसे होगी? और यदि तुममें संपूर्ण निष्ठा है, तब वहां प्रश्न ही नहीं होगा। यदि तुम बेंगलुरु के लिए कर्नाटक एक्सप्रेस में बैठे हो, तो क्या तुम्हें हर स्टेशन पर यह पूछने की जरूरत है कि यह ट्रेन कहां जा रही है?

## शख्सियत

विष्णु सखाराम खांडेकर

# ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित मराठी लेखक

खांडेकर का जन्म 11 जनवरी 1898 को सांगली, महाराष्ट्र में हुआ था। उनके पिता सांगली रियासत में एक मुंसिफ (एक अधीनस्थ अधिकारी) थे, जहां उन्होंने अपना बचपन बिताया और अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। अपने प्रारंभिक जीवन में, उन्हें फिल्मों में अभिनय करने में रुचि थी और स्कूल के दिनों में उन्होंने विभिन्न नाटकों का मंचन किया। 1913 में मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद खांडेकर ने पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में दाखिला लिया। 1920 में, उन्होंने शिरोडा के एक स्कूल में स्कूल शिक्षक के रूप में काम करना शुरू किया।

विष्णु सखाराम खांडेकर भारत के महाराष्ट्र के एक मराठी लेखक थे। वह प्रतिष्ठित ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता पहले मराठी लेखक थे। 1941 में, खांडेकर को सोलापुर में वार्षिक मराठी साहित्य सम्मेलन (मराठी साहित्य सम्मेलन) के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। 1968 में, भारत सरकार ने उनकी साहित्यिक उपलब्धियों के सम्मान में उन्हें पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। पद्मभूषण से सम्मानित होने दो साल बाद उन्हें भारतीय साहित्य अकादमी की साहित्य अकादमी फ़ेलोशिप से भी सम्मानित किया गया। 1974 में उनके उपन्यास ययाति के लिए उन्हें देश के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में शिवाजी विश्वविद्यालय ने उन्हें डी.लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया। 1998 में, भारत सरकार ने उनके सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया।

खांडेकर के उपन्यास ययाति (ययाति) को तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले। एक महाराष्ट्र राज्य पुरस्कार (1960), एक साहित्य अकादमी पुरस्कार (1960), और एक ज्ञानपीठ पुरस्कार (1974)। खांडेकर के कार्यों के आधार पर कई फिल्में और टेलीविजन धारावाहिक बनाए गए हैं। विष्णु सखाराम खांडेकर का 2 सितंबर, 1976 को निधन हो गया। वह वास्तव में एक प्रेरणा थे और मराठी में लेखकों की एक पीढ़ी के लिए एक प्रकाश-स्तंभ थे, जो 1930 से 1945 के दौरान प्रमुखता से आए।

## जीवन ऊर्जा

महाराणा प्रताप : निधन- 19 जनवरी 1597

देहावसान

# अपने कर्म के मार्ग पर अडिग और प्रशस्त रहो

महान शूरवीर महाराणा प्रताप सिंह का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ दुर्ग में हुआ था। बचपन से ही महाराणा प्रताप बुद्धि से इतनी तेज और अस्त्र-शस्त्र की कलाओं में निपुणता हासिल कर ली और प्रजा के इतने पिय राजकुमार बने कि सभी लोग उनको राजा के रूप में देखने लगे, धीरे-धीरे महाराणा प्रताप बड़े होते हैं। आखिरकार शिकार के दौरान लगी चोटों की वजह से महारणा प्रताप 19 जनवरी 1597 को चावंड में स्वर्ग सिधार गए।

मनुष्य का गौरव और आत्मसम्मान उसकी सबसे बडी कमाई होती है। अतः सदा इनकी रक्षा करनी चाहिए। मातृभूमि और अपने मां में तुलना करना और अन्तर समझना निर्बल और मुर्खों का काम है। सम्मानहीन मनुष्य एक मृत व्यक्ति के समान होता है। ये संसार कर्मवीरों की ही सुनता है। अतः अपने कर्म के मार्ग पर अडिग और प्रशस्त रहो। समय इतना बलवान होता है कि एक राजा को भी घास की रोटी खिला सकता है। हल्दीघाटी के युध्द ने मेरा सर्वस्व छीन लिया हो। पर मेरी गौरव और शान और बढा दिया। जो सुख में अतिप्रसन्न और विपत्ति मे डर के झुक जाते है, उन्हे ना सफलता मिलती है और न ही इतिहास में जगह। अपने अच्छे समय में अपने कर्म से इतने विश्वास पात्र बना लो कि बुरा वक्त आने पर वो उसे भी अच्छा बना दे।

जो अत्यंत विकट परिस्तिथत में भी झुककर हार नहीं मानते। वो हार कर भी जीते होते हैं। अगर सर्प से प्रेम रखोगे तो भी वो अपने स्वभाव के अनुसार डसेगा ही। शत्रु सफल और शौर्यवान व्यक्ति के ही होते हैं। एक शासक का पहला कर्तव्य राज्य का गौरव और सम्मान बचाने का होता है। तब तक परिश्रम करते रहो जब तक तुम्हें तुम्हारी मंजिल न मिल जाए। अपनी कीमती जीवन को सुख और आराम की जिन्दगी बनाकर नष्ट करने से बढ़िया है कि अपने राष्ट्र कि सेवा करो। मनुष्य अपने कठिन परिश्रम और कष्टों से ही अपने नाम को अमर कर सकता है। अपने और अपने परिवार के अलावा जो अपने राष्ट्र के बारे मे सोचे, वही सच्चा नागरिक होता है। अगर इरादा नेक और मजबूत है तो मनुष्य की पराजय नहीं विजय होती है। कष्ट, विपत्ति और संकट ये जीवन को मजबूत और अनुभवी बनाते हैं। इनसे डरना नहीं, बल्कि प्रसन्नता पूर्वक इनसे जुझना चाहिए।

सत्य, परिश्रम और संतोष सुखमय जीवन के साधन है। परन्तु अन्याय के प्रतिकार के लिए हिंसा भी आवश्यक है। नित्य, अपने लक्ष्य, परिश्रम और आत्मशक्ति को याद करने पर सफलता का मार्ग सरल हो जाता है। गौरव, मान- मर्यादा और आत्मसम्मान से बढ़कर कीमती जीवन भी नहीं समझना चाहिए।

## सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

# भगवत चरणों में ही व्यक्ति शान्ति प्राप्त कर सकता है

(भाग 2)

भगवान ने बालि से यही कहा कि जब तुम सेवा नहीं करना चाहते हो तो हम तुमको अपने में लीन कर लेते हैं। मुझमें मिलकर तुम्हारा अभिमान भी पूर्ण हो जायेगा, पर बालि बड़ा चतुर निकला। कहा कि नहीं प्रभु ! मुझे आपकी सेवा भी चाहिए, पर एक थोड़ा सा परिवर्तन होगा कि मैं इस शरीर से तो नहीं, तब बालि ने तुरंत अंगद को बुलाया और भगवान से कहा कि आप इसका हाथ पकड़ लीजिए। मैं सेवा नहीं कर पाऊंगा, परन्तु मेरा पुत्र इसलिए सेवा कर पायेगा कि इसमें मेरे जितना बल तो है ही, पर साथ-साथ इसमें विशेषता है --

*यह तनय मम सम बिनय बल कल्यानप्रद प्रभु लीजिऐ।

'बिनय बल' अर्थात इसमें विनय पहले है और बल बाद में है। मुझमें तो बल ही बल था, विनय का अभाव था। क्योंकि अभिमान के कारण ही मैं आपसे भी शास्त्रार्थ करने लगा। अंगद विनयी है। और जो विनयी है, वस्तुतः वही सेवा कर सकता है। विनम्रता 'दासोऽहम्' मैं है, और समग्रता 'शिवोऽहम्'

में। समग्र अहं ज्ञान में है, निन्दा के अर्थ में नहीं। ज्ञान के समग्र 'अहं' का अभिप्राय है कि जहाँ पर द्वैत भावना सर्वथा विलीन होने पर एकमात्र शुद्ध अहं बच जाय, जिसमें अहंकार नहीं है, क्योंकि जितना अहंकार है, वह सब द्वैत को लेकर ही है और जब दोनों बातें आ गयीं तब एक तो ब्रह्म से एकत्व का बोध हो गया और दूसरा, एकत्व होने के फलस्वरूप द्वैत नष्ट हो गया, अतः

**सर्वं खल्विदं ब्रह्म।**

ऐसी अनुभूति होने लगी कि जो कुछ है, सब ब्रह्म ही है, ब्रह्म से भिन्न कुछ है ही नहीं, तब वह अभिमान न रह करके अभिमान की श्रेष्टतम परिणति है अर्थात् ब्रह्म से एकत्व हो गया। यदि कोई अभिमान न छोड़ सके तो उससे कहना चाहिए कि तुम अभिमान को और बढ़ाओ, बढ़ाते-बढ़ाते इतना बढ़ाओ कि फिर और बढ़ाने की गुंजाइश न रह जाय। बालि ने यही किया और अंगद को बुलाकर कितनी बढ़िया बात कही कि प्रभु ! आप जरा इसका हाथ पकड़ लीजिए। प्रभु ने कहा कि तुम बड़ी विचित्र बात कह रहे हो, यदि तुम अंगद से यह कहते कि मेरे चरण पकड़ो, तब तो परम्परा के अनुकूल बात होती। तुम अंगद को प्रणाम करना क्यों नहीं सिखा रहे हो ? बालि ने बहुत बढ़िया बात कही कि महाराज ! अंगद के द्वारा आपके चरण पकड़ने में और आपके द्वारा अंगद का हाथ पकड़ने में एक बहुत बड़ा अन्तर है। यदि अंगद पैर पकड़ेगा तो कभी छोड़ भी सकता है, पर यदि आप ही अंगद का हाथ पकड़ लें तो फिर छूटने की संभावना ही नहीं।

(क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा

वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

## सक्सेस मंत्र

# कामयाबी के लिए चलते रहने की जिद जरूरी

अपने आसपास कुछ लोगों को आप जुझारु, सनकी या जिद्दी कहते हैं। इसकी वजह होता है उनका एक खास गुण कि उन्हें जो चाहिए, उसे वह हासिल करके ही दम लेते हैं। जिद्दी लोगों को अक्सर लोग कम पसंद करते हैं, मगर यह भी गलत नहीं है कि ऐसे ही लोगों में दुनिया को बदलने का साहस होता है। इस दुनिया में कुछ भी पाना है तो आपको थोड़ा तो जिद्दी बनना पड़ेगा। यह कहानी भी ऐसे ही एक जिद्दी लड़के की है, जिसका नाम था विराट। विराट पिछले कई साल से अपने शहर में होने वाली मैराथन में हिस्सा लेता था, लेकिन कभी रेस पूरी नहीं कर पाता था।

इस बार वह बहुत उत्साहित था, क्योंकि वह पिछले कई महीनों से रोज इस रेस की तैयारी कर रहा था। उसे अपने आप पूरा पर भरोसा था कि वह इस साल की मैराथन रेस जरूर पूरी कर लेगा। देखते ही देखते मैराथन का वो दिन भी आ गया और सभी लोग एक जगह एकत्रित हुए और जैसे ही रेस शुरू हुई बाकी लड़को की तरह विराट ने भी दौड़ना शुरू किया। वह जोश और हिम्मत से भरा हुआ था, और बड़े अच्छे ढंग से दौड़ रहा था। लेकिन आधी रेस पूरी करने के बाद विराट बिलकुल थक गया और उसके मन में आया कि बस अब वहीं बैठ जाए। वह ऐसा सोच ही रहा था कि तभी उसने खुद को कहा। रुको मत विराट! आगे बढ़ते रहो, अगर तुम दौड़ नहीं सकते तो कम से कम जॉगिंग करते हुए तो आगे बढ़ सकते हो। तो बस आगे बढ़ो। रुको मत विराट। अगर तुम जॉगिंग नहीं कर सकते तो क्या, कम से कम चल तो सकते हो तो बस चलते रहो। विराट अब जॉगिंग करने की बजाय धीरे-धीरे लक्ष्य की ओर बढ़ने लगा।

कई सारे लड़के विराट से आगे निकल चुके थे। चलते-चलते विराट को फिनिशिंग पॉइंट दिखने लगा, लेकिन तभी वह अचानक से लड़खड़ा कर गिर पड़ा। उसके दायें पैर की नसें खिंच गई थीं। जमीन पर पड़े-पड़े विराट के मन में खयाल आया, की अब मैं आगे नहीं बढ़ सकता, लेकिन अगले पल ही वो जोर से चिल्लाया। आज चाहे कुछ भी हो जाए, मैं ये रेस पूरी करके रहूँगा। विराट ने साहस दिखाया और एक बार फिर दर्द सहते हुए आगे बढ़ने लगा, और इस बार वह तब तक बढ़ता रहा जब तक उसने फिनिशिंग लाइन पार नहीं कर ली। और फिनिशिंग लाइन पार करते ही वह जमीन पर लेट गया उसके आंखों से आंसू निकलने लगे। विराट ने रेस पूरी कर ली थी, उसके चेहरे पर इतनी खुशी और मन में इतनी संतुष्टि कभी नहीं आई थी आज विराट ने अपनी जिद के कारण न सिर्फ एक रेस पूरी की थी बल्कि जिंदगी की बाकी रेसों के लिए भी खुद को तैयार कर लिया था।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

# कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका ने दिव्यांग व्यक्तियों के लिए खोला फिजियोथेरेपी और पुनर्वसन केंद्र

सुशील सिंह । कल्याण

कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका ने दिव्यांग व्यक्तियों के लिए महत्वपूर्ण पहल करते हुए लगभग 7,000 स्केयर फुट क्षेत्र में फिजियोथेरेपी और बहुविद्याशाखीय पुनर्वसन केंद्र की स्थापना की है। इस केंद्र का उद्घाटन सांसद डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे ने किया, जिन्होंने इसे दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक वरदान बताया।

सांसद ने कहा कि पहले कल्याण और आस-पास के क्षेत्रों में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए फिजियोथेरेपी या अन्य उपचार के लिए निजी अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता था। इस नए केंद्र की स्थापना से अब उन्हें एक सुलभ और सुविधाजनक विकल्प उपलब्ध होगा। महानगरपालिका आयुक्त डॉ. इंदु राणी जाखड ने इस स्वास्थ्य सुविधा की सराहना करते हुए कहा कि वे दिव्यांग व्यक्तियों

को आवश्यक उपकरण प्रदान करने पर विचार कर रहे हैं और भविष्य में और बेहतर कार्य करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर कल्याण पूर्व की विधायक सुलभा गायकवाड और कल्याण ग्रामीण के विधायक राजेश मोरे ने भी इस पहल की सराहना की और दिव्यांग केंद्र के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। महानगरपालिका ने दिव्यांग व्यक्तियों के विकास के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। वर्तमान में, लगभग 3,500 दिव्यांग व्यक्तियों को महानगरपालिका द्वारा निवृत्त वेतन दिया जा रहा है।

अपंग विकास महासंघ के अध्यक्ष अशोक भोईर ने महानगरपालिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह केंद्र दिव्यांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने और उन्हें मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस लोकार्पण समारोह में परिमंडल-3 के पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे, महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त योगेश गोडसे, शहर अभियंता अनिता परदेशी, समाज विकास विभाग के उपायुक्त संजय जाधव, कार्यकारी अभियंता रोहिणी लोकरे, कल्याण तहसीलदार सचिन शेजाळ और अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

इस फिजियोथेरेपी और बहुविद्याशाखीय पुनर्वसन केंद्र में महानगरपालिका के पास पंजीकृत विभिन्न व्याधियों से ग्रस्त दिव्यांग व्यक्तियों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। वहीं, पंजीकृत न होने वाले दिव्यांग व्यक्तियों और महानगरपालिका क्षेत्र के बाहर के दिव्यांग व्यक्तियों को विभिन्न उपचारों का लाभ रु. 500/- की दर पर प्राप्त होगा। यह केंद्र दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक नई उम्मीद और स्वास्थ्य सेवाओं का सशक्त माध्यम बनेगा।

# कर्ज चुकाने का बनाया दबाव तो पत्नी और बेटे को जहर देकर मारा

डीबीडी संवाददाता । पुणे

पुणे जिले में साहूकारों द्वारा कथित उत्पीड़न के कारण 45 वर्षीय एक व्यक्ति ने शनिवार को अपनी पत्नी और नाबालिग बेटे को जहर देकर मार डाला और फिर आत्महत्या की कोशिश की। एक अधिकारी ने बताया कि चिखली इलाके के वैभव हांडे का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में संतोष कदम, सुरेखा कदम, संतोष पवार और जावेद खान के रूप में पहचाने गए चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अपनी शिकायत में वैभव ने कहा कि उसने अपनी पत्नी शुभांगी हांडे (36) और उनके 9 वर्षीय बेटे धनराज को सुबह नींद की गोलियां दीं, जिससे उनकी मौत हो गई। इसके बाद वैभव ने अपने फ्लैट में छत के पंखे से लटकने की कोशिश की। शुक्रवार की रात वैभव ने अपने 14 वर्षीय बेटे के मोबाइल फोन पर एक मैसेज भेजा था, जिसे उसने मुंबई में अपने रिश्तेदार के घर भेजा था। नोट में उसने अपनी प्लानिंग के बारे में बताया था। सुबह मैसेज पढ़ने के बाद किशोर घबरा गया और अपने परिवार के बारे में जानने के लिए अपने पड़ोसियों को फोन किया। अधिकारी ने कहा कि जब पड़ोसियों को बार-बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला तो उन्होंने पुलिस को फोन किया। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने फ्लैट में घुसते ही वैभव को जीवित पाया। इसके बाद उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वैभव के हवाले से अधिकारी ने कहा, 'शिकायतकर्ता ने आरोपी संतोष कदम और सुरेखा से 6 लाख रुपये और 2 लाख रुपये महीने पर 10 प्रतिशत ब्याज दर पर उधार लिए थे। उसने जावेद खान से भी हाई इंटरेस्ट पर 4 लाख रुपये लिए थे।' अधिकारी ने कहा कि शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसने प्रिंसिपल अमाउंट और अतिरिक्त 9 लाख रुपये साहूकारों को चुका दिए थे, लेकिन वे उसे और अधिक पेमेंट करने के लिए परेशान कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ आपराधिक धमकी का मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

# बांद्रा टर्मिनस और अहमदाबाद के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें चलाएगी पश्चिम रेलवे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस और अहमदाबाद स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर दो सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है।

ट्रेन संख्या 09091/09092 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल (2 फेरे) : ट्रेन संख्या 09091 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल शनिवार, 25 जनवरी, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 06.15 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 14.00 बजे

अहमदाबाद पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09092 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 26 जनवरी, 2025 को अहमदाबाद से 01.40 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 08.40 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, उधना, भरूच और वडोदरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3-टियर और एसी चेयर कार कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09005/09006 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल (2 फेरे) : ट्रेन संख्या 09005 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 26 जनवरी, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 06.15 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 13.00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09006 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 27 जनवरी, 2025 को अहमदाबाद से 00.50 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 08.30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, उधना, भरूच और वडोदरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर और एसी 3-टियर कोच होंगे। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर प्राप्त की जा सकती है।

# 'कोल्ड प्ले कॉन्सर्ट' को 'जीरो वेस्ट प्रोग्राम' के रूप में मनाया जाएगा

**नवी मुंबई।** नवी मुंबई नगर निगम ने 18, 19 और 21 जनवरी, 2025 को नेरुल स्थित डॉ. डी. वाई. पाटिल स्टेडियम में आयोजित होने वाले 'कोल्ड प्ले' संगीत समारोह को 'जीरो वेस्ट' प्रोग्राम के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस पहल के तहत, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाएगी। इस आयोजन के दौरान कचरे के उत्पादन को न्यूनतम करने के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। कचरे के पृथक्करण के लिए 150 स्थानीय महिलाएं दोपहर 2 बजे से रात 12 बजे तक काम करेंगी, और प्लास्टिक की बोतलों को पुनर्चक्रण के लिए एकत्रित किया जाएगा। इसके अलावा, गीले कचरे को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना स्थल पर भेजा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान 10 कूड़ा संग्रहकर्ताओं की टीम लगातार सफाई कार्य में जुटी रहेगी। नवी मुंबई नगर निगम ने 12 जनवरी से नेरुल क्षेत्र में गहन सफाई अभियान शुरू किया है, जिसमें सड़कों, फुटपाथों और डिवाइडरों की सफाई की गई है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से प्रोसेस्ड पानी

का इस्तेमाल कर पीने के पानी की बचत की गई है। कार्यक्रम के तीनों दिन रात 11 बजे से सुबह 4 बजे तक विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। नगर निगम इस आयोजन को स्वच्छता के मामले में सख्ती से देख रहा है और आयोजन स्थल और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रचार-प्रसार के लिए होर्डिंग्स, बैनर और डिजिटल बैनर लगाए गए हैं।

# मुंबई एयरपोर्ट पर दो अलग-अलग मामलों में 2.54 करोड़ का सोना व हीरे जब्त, 3 गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) की टीम ने बीती रात मुंबई एयरपोर्ट पर दो अलग-अलग मामलों में 2.465 किलोग्राम वजन का सोना और 248.65 कैरेट वजन का हीरा जब्त किया है। जब्त की गई वस्तुओं का कुल अनुमानित मूल्य 2.54 करोड़ रुपये है। इन मामलों में कस्टम की टीम ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इन मामलों की छानबीन जारी है।

कस्टम सूत्रों ने शनिवार को बताया कि कस्टम टीम ने विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर बीती रात मुंबई एयरपोर्ट पर निगरानी कर रही थी। इसी जानकारी के आधार पर कस्टम टीम ने बैंकॉक से आने वाले दो यात्रियों को रोका। गहन तलाशी में पता चला कि दोनों यात्रियों के शरीर के अंदर 24 कैरेट सोना छिपा हुआ था, जिसका वजन कुल 2.465 किलोग्राम था। इसे जब्त कर लिया गया। जब्त सोने की कीमत 1.80 करोड़ रुपये आंकी

गई है।

इसी तरह कस्टम टीम ने एक यात्री को रोका जो मुंबई से दुबई जा रहा था। जांच करने पर यात्री के शरीर के गुदा में छिपाए गए 5.20 लाख रुपये मूल्य के 21.70 कैरेट के कटे और पॉलिश किए हीरे मिले। साथ ही उसके पास 69.69 लाख रुपये मूल्य के 226.95 कैरेट वजन के कटे और पॉलिश किए गए प्राकृतिक ढीले हीरे भी मिले। हीरों की कुल कीमत 74.90 लाख रुपये आंकी गई। इसे कस्टम ने जब्त कर लिया और उस यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया। तीनों मामलों की छानबीन जारी है।

# पालकमंत्रियों की घोषणा, धनंजय मुंडे को झटका

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

देवेंद्र फडणवीस सरकार ने शनिवार को राज्य के जिलों के पालकमंत्रियों की सूची जारी की। एनसीपी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजित पवार को बीड और पुणे जैसे दो जिलों की जिम्मेदारी दी गई, जबकि एनसीपी के विधायक धनंजय मुंडे को बड़ा झटका लगा है। उन्हें इस सूची से बाहर कर दिया गया, जबकि पिछली बार वह बीड के संरक्षक मंत्री थे। रायगढ़ जिले की पालक मंत्री का पद फिर एनसीपी के खाते में गया, जिसे अदिति तटकरे को सौंपा गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गढ़चिरौली जिले की जिम्मेदारी ली है, वहीं उपमुख्यमंत्री एकनाथ

शिंदे को मुंबई और ठाणे का पालक मंत्री बनाया गया। पंकजा मुंडे को जालना की जिम्मेदारी दी गई है। धनंजय मुंडे को इस लिस्ट से बाहर रखने के पीछे बीड के मासाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या का मामला भी एक कारण माना जा रहा है। विपक्ष की ओर से मुंडे के इस्तीफे की मांग की जा रही है, जिससे सरकार की स्थिति दुविधा में है।

# 'चाहे फडणवीस हों या मैं, कानून-व्यवस्था प्राथमिकता':अजित पवार

डीबीडी संवाददाता । पुणे

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले ने महाराष्ट्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मुद्दे पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बयान दिया कि राज्य सरकार हर क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा, 'सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। हम देख रहे हैं कि आरोपी चोरी के इरादे से आया था या किसी अन्य मकसद से। चाहे फडणवीस हों या मैं, हमारी जिम्मेदारी है कि राज्य में शांति बनी रहे।'

## सुप्रिया सुले ने जताई चिंता

एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने इस घटना को बेहद चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा, सैफ अली खान और उनका परिवार डरा हुआ है। उनकी हालत स्थिर है, लेकिन घटना महाराष्ट्र में बढ़ते अपराध का संकेत देती है। पुलिस फोर्स पूरी तरह सतर्क है और हमलावर की जल्द गिरफ्तारी का भरोसा दिया गया है। हमले के बाद पुलिस ने बांद्रा इलाके के सीसीटीवी फुटेज जब्त कर जांच तेज कर दी है। 30 से अधिक बयान दर्ज किए जा चुके हैं और संदिग्धों से पूछताछ जारी है। पुलिस ने अपराधियों की पहचान के लिए रातभर छापेमारी की और कई संदिग्धों को हिरासत में लिया। घटना ने न केवल बॉलीवुड सितारों की सुरक्षा बल्कि आम जनता के लिए भी चिंता बढ़ा दी है। पुलिस प्रशासन पर इस समय बड़ी जिम्मेदारी है कि अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़कर लोगों में विश्वास बहाल किया जाए।

# कल्याण डोंबिवली में महिलाओं के लिए विशेष शौचालय का उद्घाटन

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका ने महिलाओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए एक अत्याधुनिक शौचालय (Woloo Powder Room) का उदघाटन किया है। यह शौचालय कल्याण रेलवे स्टेशन परिसर में कपोते वाहनतल के क्षेत्र में स्थापित किया गया है, जिसका उदघाटन सांसद डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, विधायक सुलभा गायकवाड और विधायक राजेश मोरे के द्वारा किया गया। आयुक्त डॉ. इंदु राणी जाखड़ की संकल्पना के तहत स्थापित इस शौचालय में महिलाओं की स्वच्छता और सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। यह शौचालय ग्लोबल स्टार टॉयलेट मानांकन प्राप्त कर चुका है और

इसमें 4 स्मार्ट वॉशरूम, बेबीकेयर रूम, चेंजिंग रूम, सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन और फीडिंग रूम जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। Woloo Powder Room में स्वच्छता प्रबंधन के लिए इंटरनेट ऑपरेटिंग सिस्टम स्थापित किया गया है, जिससे महिलाओं को स्वच्छता की सुनिश्चितता मिलती है। इसके अलावा, यहां महिलाओं के लिए सौंदर्य उत्पाद भी उपलब्ध कराए गए हैं। Woloo संस्था का एक मोबाइल ऐप भी है, जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता भारत में उपलब्ध लगभग 40,000 स्वच्छ Woloo Powder Rooms की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस महत्वपूर्ण परियोजना के निर्माण में महापालिका के शहर अभियंता अनिता परदेशी, कार्यकारी अभियंता रोहिणी लोकरे, और उपअभियंता योगेश गोटेकर ने विशेष प्रयास किए हैं। कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका ने महिलाओं की सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

## राशिफल

प्रियंका जैन

**मेष** नौकरी में प्रमोशन व प्रशंसा मिल सकते हैं। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। लॉटरी व सट्टे के चक्कर में न पड़ें। बेरोजगारी दूर होने के योग हैं। प्रयास करें। किसी बड़ी समस्या से छुटकारा मिलेगा। अज्ञात भय रहेगा।

**वृष** लेन-देन में सावधानी रखें। धनहानि के योग हैं। आय बनी रहेगी। व्यवसाय में ध्यान दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से हानि होगी। पुरानी व्याधि उठ सकती है। सावधानी आवश्यक है।

**मिथुन** उत्साह बना रहेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। बेचैनी रहेगी। थकान महसूस होगी। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। कोई भी निर्णय सोच-समझकर करें।

**कर्क** दौड़धूप अधिक होगी। व्यवसाय में उतार-चढ़ाव रहेंगे। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। आय में कमी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। कार्य की गति रुकेगी।

**सिंह** रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पठन-पाठन व लेखन में मन लगेगा। वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

**कन्या** प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। काफी समय से अटके काम पूरे होंगे। आय में वृद्धि होगी। वरिष्ठ वक्तियों का मार्गदर्शन मिल सकता है।

**तुला** उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आय बनी रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। विवाद के मौके टालें।

**वृश्चिक** स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे। शत्रु मौका ढूंढेंगे, सावधान रहें। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

**धनु** प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी बड़े काम के होने से प्रसन्नता रहेगी। मातहत साथ देंगे। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। काफी समय से अटके कामों में गति आएगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। भाग्य का साथ रहेगा।

**मकर** सामंजस्य बैठाएं। आय में निश्चितता रहेगी। किसी बाहरी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी व लापरवाही से बड़ी हानि हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। बनते काम में विघ्न उत्पन्न होगा। तनाव रहेगा।

**कुंभ** व्यापार में लाभ बढ़ेगा। नौकरी मनोनुकूल रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। अध्यात्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। प्रतिद्वंद्वी घुटने टेकेंगे। जल्दबाजी में लेनदेन नहीं करें। कानूनी अड़चन दूर होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**मीन** नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। उत्साह तथा प्रसन्नता में वृद्धि होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा।

# मंगल मेष राशि से सिंह राशि तक 'सूर्य ' के साथ त्रिकोण आधिपत्य साझा करता है !

ठीक यही त्रिकोण आधिपत्य संबंध 'सूर्य' सिंह राशि से धनु राशि तक 'बृहस्पति' के साथ समान रूप से साझा करता है !

जो कि मेष राशि से सिंह राशि और धनु राशि तक 1- 5 और 9 भावों/राशियों में परस्पर त्रिकोण स्थिति है{प्रथम त्रिकोण या धर्म त्रिकोण} !

बृहस्पति भी मंगल और सूर्य के साथ ऐसा ही करता है । इसलिए यही कारण है कि मंगल , सूर्य और बृहस्पति का एक प्राकृतिक एवं अभिन्न मित्र है ।

लेकिन मंगल की सूर्य और बृहस्पति से पूरी तरह से अलग प्रकृति , बंधुत्व और पृथक हित हैं !

क्योंकि इसकी काल पुरुष कुंडली में केतु के साथ वृश्चिक राशि में अभिन्न साझेदारी है !

साथ ही मंगल मेष राशि में पूर्ण स्वामित्व रखने के बाद भी सूर्य को मेष राशि में कारकत्व प्रदान करता है !

जबकि वृश्चिक राशि में केतु के साथ सह - स्वामित्व रखने के उपरांत शनि को कारकत्व {वृश्चिक में} प्रदान करता है !

सूर्य पहले घर के लिए एक मात्र

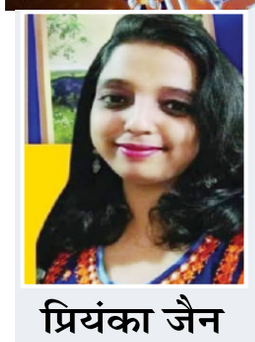

प्रियंका जैन
9769994439

कारक हैं !

और नौवें घर के लिए बृहस्पति के साथ ही कारकत्व रखता हैं !

यद्धपि बृहस्पति ना तो पहले घर का कारक है !

और ना ही मेष राशि या प्रथम भाव में मंगल के साथ इसका आधिपत्य साझा करता है !

लेकिन बृहस्पति मेष राशि या पहले घर में दिशात्मक ताकत {दिग्बल} प्राप्त करता है !

गुरु के साथ ही बुध भी पहले घर में ऐसा ही दिग्बल प्राप्त करता है !

सूर्य और मंगल दोनों का बृहस्पति के साथ प्राकृतिक मित्रता संबंध है !

मेष राशि या पहले घर में बृहस्पति अपनी सभी दिव्यता को मेष राशि में मिलाता है !

मंगल के आधिपत्य और सूर्य के कारकत्व के साथ-साथ बृहस्पति स्वयं के अतिरिक्त बुध के दिग्बल को प्राप्त करने के कारण अजेय हो जाता है !

बृहस्पति का सूर्य के साथ मंगल की तुलना में अधिक स्नेह एवं बंधुत्व है !{क्योंकि सूर्य के साथ इसका प्राकृतिक आत्मकारक AK और अमात्य कारक AMK संबंध हैं, जोकि मंगल के साथ नहीं हैं, और भिन्न संबंध हैं}

वृश्चिक राशि में, हालांकि मंगल का मेष राशि के अतिरिक्त इस राशि पर भी आधिपत्य है, लेकिन यह आधिपत्य सम्पूर्ण आधिपत्य नहीं है, क्योंकि मेष राशि में मंगल का पूर्ण स्वामित्व एवं आधिपत्य है, इसीलिए मेष राशि अनगिनत ऊर्जा का पावर हाउस है, क्योंकि यह मंगल की मूल त्रिकोण राशि या MT राशि है, एक मूल त्रिकोण राशि को किसी भी ग्रह के लिए उसका कार्यालय या कार्यस्थल माना जाता है !

न्यूज़ ब्रीफ

## बिहार के लाल का परमाणु ऊर्जा विभाग में हुआ चयन

**सीतामढ़ी।** बिहार के एक और होनहार छात्र ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सीतामढ़ी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (SIT), डुमरा के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के 2020 बैच के छात्र सुकेश कुमार का चयन परमाणु ऊर्जा विभाग में हुआ है। यह उपलब्धि न केवल सुकेश के लिए बल्कि पूरे राज्य के लिए गर्व का क्षण है। सुकेश का चयन परमाणु ऊर्जा विभाग की स्टाइपेंडियरी ट्रेनिंग स्कीम (कैटेगरी वन) के तहत हुआ है। यह स्कीम विशेष रूप से उन होनहार छात्रों के लिए है जो अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं और देश की उन्नति में योगदान देना चाहते हैं। सुकेश ने अपनी लगन और मेहनत से यह स्थान अर्जित किया है।

## छठे दिन गिरिडीह के खंभरा डैम में तैरता मिला तुलेश्वर सिंह का शव

**गिरिडीह।** गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र में स्थित खंभरा डैम में डूबे तुलेश्वर सिंह का शव छठे दिन बरामद कर लिया गया। बताते चलें कि बीते सोमवार को तीन बजे खंभरा गांव के 55 वर्षीय तुलेश्वर सिंह डैम में नहाने के क्रम में डूब गये। इस दौरान जब कुछ लोगों की नजर उस पर पड़ी तो हो हल्ला किया गया। मंगलवार की शाम एनडीआरएफ की टीम ने डूबे व्यक्ति की खोज शुरू दी थी। जो कि बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को भी जारी रहा। लेकिन शव कहीं बरामद नहीं हो सका।

## जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के केन्द्र में होंगे कला-सत्र

**जयपुर।** जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का बहुप्रतीक्षित 2025 संस्करण 30 जनवरी से 3 फरवरी तक जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में आयोजित होगा। कि कला, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के केंद्र में होगी। कला का अर्थशास्त्रः नीति, नवाचार और समावेशन की भावना से ओतप्रोत एक शानदार पैनल, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात के राज्य मंत्री नूरा बिन्त मोहम्मद अल काबी, ब्रिटिश काउंसिल के सीईओ स्कॉट मैक्डोनाल्ड, ललित कला संग्रहालय, ह्यूस्टन के निदेशक गैरी टिनटेरोऔर मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्टके सीईओ मैक्सहॉलेइन जैसे विद्वानों से सजे इस सत्र में सूत्रधार की भूमिका में होंगे फेस्टिवल की निर्माता टीमवर्क आर्ट्स के प्रबंध निदेशक संजॉय के. रॉय। इस सत्र में चर्चा का मुख्य बिन्दु होगा- कैसे सरकारी पहल, फंडिंग और सार्वजनिक-निजी भागीदारी, स्थायी और रचनात्मक अर्थव्यवस्थाओं को आकार दे सकती है।

# जमीन के लालच में पांच साल की मासूम को मार डाला

### चाचा-चाची ने रची साजिश, हादसा दिखाने के लिए छत से फेंका

**अमरोहा।** जमीन के लालच में चाचा-चाची ने पांच साल की मासूम (खुशबू) की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या को हादसे का रूप देने के लिए उसे छत से नीचे फेंक दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मासूम की गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई। मां की तहरीर पर पुलिस ने चाचा-चाची के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है। घटना क्षेत्र के गांव पत्थरकुटी की है। नगर से सटे ग्राम पत्थरकुटी में जसपाल सिंह व उसके भाई लोकेश सैनी का परिवार रहता है। जसपाल की शादी उत्तराखंड के अल्मोड़ा निवासी मनीषा के साथ हुई थी। उनके पांच साल की लड़की खुशबू थी। भाई लोकेश की शादी रजिया के साथ हुई थी। उसके तीन बच्चे हैं। करीब सात माह पहले मनीषा अचानक लापता हो गई। मनीषा के गायब होने के एक माह बाद जसपाल भी कहीं चला गया। उसकी गुमशुदगी थाने में दर्ज है। जबकि, पांच साल की खुशबू अकेली रह गई थी। उसके बाद खुशबू अपने चाचा-चाची के पास ही रहती थी। नौगांवा रोड पर जसपाल के नाम 200 गज का एक प्लॉट है।

### पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुआ खुलासा

शुक्रवार की दोपहर बाद खुशबू के छत से गिरकर मौत होने की बात सामने आई। उधर, गांव वालों ने थाने पहुंचकर खुशबू की मौत पर सवाल उठाते हुए उसका पोस्टमार्टम कराने का अनुरोध किया। मामला संदिग्ध देखते हुए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुक्रवार की रात डॉक्टरों के एक पैनल ने खुशबू का पोस्टमार्टम किया। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुशबू की मौत की पुष्टि गला दबाने से हुई। पीएम रिपोर्ट की जानकारी मिलते ही पुलिस ने घर पर मौजूद लोकेश व उसकी पत्नी रजिया को हिरासत में ले लिया। वहीं, खुशबू की मौत जानकारी होने पर उसकी मां मनीषा थाने पहुंच गई। उसने अपने देवर लोकेश व देवरानी रजिया पर जमीन हड़पने के लालच में बेटी की हत्या करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी।
सीओ श्वेताभ भास्कर ने बताया कि मनीषा की तहरीर पर लोकेश व रजिया के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

# गुटबाजी के फेर में फंसी मंडल अध्यक्षों की घोषणा

### प्रदेश अध्यक्ष चुनने के बाद शुरू होगी प्रक्रिया

**लखनऊ।** भारतीय जनता पार्टी में गुटबाजी थम नहीं रही है। यही कारण है कि मंडल अध्यक्षों के चुनाव को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेता एकराय नहीं हो पा रहे हैं और मंडल अध्यक्षों की घोषणा नहीं हो पा रही। इस कारण महानगर और जिला अध्यक्षों का चुनाव भी लटक गया है। बताया जा रहा है कि अब प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा होने के बाद ही जिले में संगठन की चुनाव प्रक्रिया शुरू होगी।

### पहली बार मंडल अध्यक्षों की घोषणा प्रदेश स्तर से की गई

भाजपा में पहली बार मंडल अध्यक्षों की घोषणा प्रदेश स्तर से की गई है। इसके लिए चुनाव की तमाम कवायद की गई। चुनाव अधिकारियों के साथ कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं। इसी दौरान संगठन में गुटबाजी भी चरम पर हो गई। पार्टी हाईकमान के निर्देश थे कि मंडल अध्यक्षों के चयन में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की सहमति जरूर ली जाए। पैनल बनाने में मनमानी के आरोप लगने लगे। यह मामला पार्टी हाईकमान के पास पहुंच गया। मामला इतना बढ़ा कि जिले की चुनाव प्रक्रिया को ही स्थगित कर दिया गया।

# 30 करोड़ की मूर्ति चोरी

### जिस बाबा ने दी थी सूचना, वही निकला आरोपी; चार गिरफ्तार

**मिर्जापुर।** मिर्जापुर जिले की पड़री थाना क्षेत्र के श्री राम जानकी मंदिर से चोरी अष्टधातु की तीन मूर्तियों को पुलिस एसओजी टीम ने बरामद कर लिया है। मामले में आश्रम के ही बंसी बाबा समेत चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा एसपी ऑपरेशन ओपी सिंह ने पुलिस लाइन स्थित सभागार में पत्रकार वार्ता के दौरान किया।

### ये है पूरा मामला

बता दें कि 14 जनवरी को श्री राम जानकी मंदिर से अष्टधातु की तीन मूर्ति चोरी हो गई थी। आश्रम की देखरेख करने वाले बंसी बाबा ने ही मुकदमा दर्ज कराया था। जिसके बाद पुलिस छानबीन में जुटी। छानबीन के दौरान पुलिस को अहम सुराग मिला। जिसमें पता चला कि बंसी बाबा ने ही मूर्ति चोरी की साजिश रची है। जिसके बाद पुलिस ने बंसी बाबा, लव कुश पाल, मुकेश कुमार सोनी, राम बहादुर पाल को गिरफ्तार कर लिया। तीनों मूर्ति को बरामद कर लिया।

# राहुल गांधी ने संविधान पर आरएसएस को घेरा

### बिहार की जातीय गणना को बताया फर्जी

**पटना।** कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को पटना पहुंचे। जहां संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने भारतीय संविधान और जाति जनगणना को लेकर बयान दिया। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत पर हमला करते हुए कहा कि जब वे कहते हैं कि भारत को 1947 में आजादी नहीं मिली, तो वे संविधान और महात्मा गांधी, अंबेडकर, बुद्ध और फुले की सोच को नकारते हैं।

### जाति जनगणना को बताया फर्जी

जाति जनगणना पर राहुल गांधी ने कहा कि देश की वास्तविक स्थिति को समझने के लिए जाति जनगणना होनी चाहिए। यह बिहार में की गई फर्जी जाति जनगणना की तरह नहीं होगी। इसके आधार पर नीतियां बनाई जानी चाहिए। कांग्रेस इसे लोकसभा और राज्यसभा में पारित करवाएगी और 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को तोड़ेगी।

# मैदागिन के पास बनेगी एक और पार्किंग, दूर होगी समस्या

**वाराणसी।** वाराणसी शहर की पार्किंग समस्या को ध्यान में रखकर मैदागिन क्षेत्र में एक और पार्किंग बनेगी। यहां जमीन के लिए मालिकों से बातचीत की जा रही है। नगर निगम की ओर से यह योजना बनाई जा रही है। इसके तहत मैदागिन के पास पार्किंग के लिए कुछ जमीन मालिकों से बातचीत भी चल रही है। सब कुछ ठीक रहा तो टाउनहॉल पार्किंग फुल होने के बाद भी लोगों को विकल्प के रूप में एक पार्किंग मिलेगी। इस पार्किंग में कई वाहन खड़े हो सकेंगे। इससे शहर में जाम की समस्या से निजात मिलेगी। श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भी वाहन खड़ा करने के लिए भटकना नहीं होगा। यहां आने वाली भीड़ को ध्यान में रखकर ऐसा किया जा रहा है।

# सीएम नीतीश ने बेगूसराय को दी 558 करोड़ की सौगात

### 640 योजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

**बेगूसराय।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी प्रगति यात्रा के तीसरे चरण के तहत शनिवार को बेगूसराय पहुंचे। जहां उन्होंने में 558 करोड़ रुपये की 640 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें विभिन्न विभागों की 176 करोड़ रुपये की योजनाओं का उद्घाटन और 382 करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

### सीएम ने किया कोनवार झील का हवाई सर्वेक्षण

प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने बेगूसराय के कोनवार झील का हवाई सर्वेक्षण किया और वहां चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। इसके साथ ही उन्होंने मटिहानी प्रखंड के ग्राम पंचायत मनिअप्पा में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने पंचायत सरकार भवन, खेल मैदान, सीढ़ी घाट और जलमीनार के जीर्णोद्धार कार्यों का उद्घाटन किया। नीतीश कुमार ने बेगूसराय जिले में प्रस्तावित बाइपास सड़क के साइट प्लान का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विकास कार्यों में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए और उन्हें तय समय के भीतर पूरा किया जाना चाहिए।

# व्यापार जगत

# एनआईएक्सआई ने इंटरनेट गवर्नेंस इंटर्नशिप व क्षमता निर्माण योजना शुरू की

**नई दिल्ली।** नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनआईएक्सआई) ने शनिवार को अपनी इंटरनेट गवर्नेंस इंटर्नशिप और क्षमता निर्माण योजना शुरू की। इसका उद्देश्य भारतीय नागरिकों के बीच इंटरनेट गवर्नेंस के बारे में जागरूकता पैदा करना और विशेषज्ञता विकसित करना है। इलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी मंत्रालय ने जारी बयान में बताया है कि भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव और एनआईएक्सआई के अध्यक्ष एस. कृष्णन ने योजना का शुभारंभ किया। आईटी मंत्रालय के अनुसार प्रशिक्षुओं को अनिवार्य आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सहायता के साथ-साथ 20 हजार रुपये प्रतिमाह का निश्चित वजीफा दिया जाएगा।



### इंटरनेट प्रशासन के लिए विशेषज्ञों को तैयार करना

इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को इंटरनेट कॉरपोरेशन फॉर असाइन्ड नेम्स एंड नंबर्स (आईसीएएनएन), इंटरनेट सोसाइटी अथवा इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (आईएसओसी), इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (आईईईई), इंटरनेट इंजीनियरिंग टास्क फोर्स (आईईटीएफ) जैसे आई-स्टार संगठनों के साथ वैश्विक इंटरनेट गवर्नेंस प्रक्रियाओं में प्रभावी रूप से शामिल होने के लिए ज्ञान से लैस करना और क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञों के साथ मिलकर कार्य करना है।

### इंटर्नशिप कार्यक्रम की पेशकश

यह कार्यक्रम दो समानांतर ट्रैक के साथ द्वि-वार्षिक इंटर्नशिप प्रदान करता है: एक छह महीने का कार्यक्रम और एक तीन महीने का कार्यक्रम। प्रत्येक प्रशिक्षु को आईसीएएनएन एपीएनआईसी या एपीटीएलडी जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के विषय वस्तु विशेषज्ञ, विशेष रुचि समूह के सदस्य, उच्च रैंक वाले सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी और मान्यता प्राप्त संस्थानों/विश्वविद्यालयों के संकाय सलाहकारों द्वारा सलाह दी जाएगी। प्रशिक्षुओं को अनिवार्य पहुंच कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सहायता के साथ-साथ प्रति माह 20,000/- रुपये का निश्चित वजीफा प्रदान किया जाएगा।

## अगले पांच साल में भारत का वाहन उद्योग दुनिया में होगा नंबर वन: गडकरी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग अगले पांच साल में दुनिया में पहले स्थान पर होगा। उन्होंने कहा कि उद्योग ने अब तक 4.5 करोड़ नौकरियां पैदा की हैं, जो देश में सबसे अधिक है। नितिन गडकरी ने फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि भारतीय ऑटोमोबाइल उत्पादों की मांग वैश्विक स्तर पर बहुत ज्यादा है। उन्होंने कहा, "भारतीय वाहन उद्योग का आकार अब 22 लाख करोड़ रुपये का है।

# भारत की पहली सोलर-पावर्ड कार ईवा ₹3.25 लाख में लॉन्च

एजेंसी | पुणे

पुणे की स्टार्टअप कंपनी वायवे मोबिलिटी ने ऑटो एक्सपो में देश की पहली सोलर पावर से चलने वाली कार ईवा लॉन्च की है। कंपनी का दावा है कि यह कार एक बार चार्ज होने पर 250 किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है।
ईवा में दो वयस्क और एक बच्चे के बैठने की क्षमता है। ईवा 5 सेकंड में 0-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 3.25 लाख तय की गई है। खास बात यह है कि बैटरी को सब्सक्रिप्शन प्लान के तहत उपयोग किया जाएगा।

### BMW ने ऑटो एक्सपो में पेश किए चार नए मॉडल

जर्मन लक्जरी वाहन निर्माता BMW ने शुक्रवार को iX1 LWB लॉन्च करने के बाद चार नए मॉडल पेश किए। इनमें दो कारें – मिनी कूपर S JSW पैक और नई BMW X3 शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनी ने दो नई मोटरसाइकिल – S 1000 RR और R 1300 GSA एडवेंचर भी लॉन्च कीं।

# सरकार बजट सत्र में पेश कर सकती है नया आयकर विधेयक

**नई दिल्ली।** सरकार संसद के आगामी बजट सत्र में एक नया आयकर विधेयक पेश कर सकती है। इसका उद्देश्य वर्तमान आयकर कानून को सरल बनाना, उसे समझने योग्य बनाना तथा पृष्ठों की संख्या में करीब 60 फीसदी की कमी करना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई के बजट में इसकी घोषणा की थी। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि नया आयकर कानून संसद के बजट सत्र में पेश किया जाएगा। यह एक नया कानून होगा, न कि मौजूदा अधिनियम में संशोधन। फिलहाल, कानून के मसौदे पर विधि मंत्रालय विचार कर रहा है, जिसे बजट सत्र के दूसरे हिस्से में संसद में पेश किए जाने की संभावना है। आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा के लिए जुलाई बजट में वित्त मंत्री की घोषणा के अनुसरण में सीबीडीटी ने समीक्षा और अधिनियम को संक्षिप्त, स्पष्ट और समझने में आसान बनाने के लिए एक आंतरिक समिति गठित की थी, जिससे विवाद, मुकदमेबाजी कम होगी और करदाताओं को ज्यादा कर निश्चितता मिलेगी। संसद का अगामी बजट सत्र 31 जनवरी से 4 अप्रैल तक चलेगा। पहला भाग 31 जनवरी से 13 फरवरी तक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करने के साथ शुरू होगा। इसके बाद वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। केंद्रीय बजट 01 फरवरी को पेश किया जाएगा।

# आरबीआई का एफडी, लॉकर और बचत खाते में नॉमिनेशन पर बैंकों को सर्कुलर जारी

**नई दिल्ली।** रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सभी बैंकों और नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों को नॉमिनी को लेकर निर्देश जारी किए हैं। देश के बैंकों और एनबीएफसी में हजारों करोड़ रुपये की राशि पड़ी है, जिनके दावेदार नहीं हैं।
आरबीआई की ओर से जारी सर्कुलर के अनुसार सभी बैंकों का दायित्व होगा कि वे अपने हर पुराने और नए ग्राहकों से नॉमिनेशन की प्रक्रिया पूरी करवाएं। अभी भी बड़ी संख्या में बैंकों में जमा खाते के नॉमिनी उपलब्ध नहीं है। बैंकों में नॉमिनेशन की प्रगति की रिपोर्ट को हर तिमाही में दक्ष पोर्टल पर अपलोड करने के भी निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा बैंकों में खाता ओपन करने के फॉर्म में बदलाव करने को कहा गया है, जिसमें ग्राहकों के लिए नॉमिनी के विकल्प को अनिवार्य करना जरूरी होगा। सर्कुलर के अनुसार जिन लोगों की एफडी या सेविंग अकाउंट में नॉमिनी नहीं रहते उनकी मौत के बाद उनके परिजन अपना हक़ प्राप्त करने के लिए कानूनी झंझट का सामना करते हैं। इसलिए सभी लोगों को अपने खाते में नॉमिनेशन की प्रक्रिया पूरी कर लेनी चाहिए। सर्कुलर में बैंकों और एनबीएफसी को अपने सभी ग्राहकों को नॉमिनेशन के लाभ की जानकारी देने को कहा गया है। इसके साथ ही कस्टमर सर्विस कमिटी को बैंकिंग संस्थानों में खाताधारकों के नॉमिनेशन की स्थिति की समीक्षा करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

## ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से पहले ही बिटकॉइन में जोरदार तेजी

नई दिल्ली। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के पहले ही दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरंसी बिटकॉइन ने एक बार फिर जोरदार तेजी दिखाते हुए 1 लाख डॉलर के स्तर को पार कर लिया। शुक्रवार देर रात बिटकॉइन 1,05,782.40 डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि उसके बाद इस क्रिप्टोकरंसी की कीमत में गिरावट आई। आज भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11.30 बजे बिटकॉइन 1,03,403.60 डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रहा था। उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रंप की जीत के कारण क्रिप्टोकरंसी मार्केट में लगातार उत्साह का माहौल बना हुआ है। अपने चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को दुनिया का क्रिप्टो कैपिटल बनाने का ऐलान किया था। ट्रंप के वायदे में क्रिप्टो इंडस्ट्री के लिए फेवरेबल रेगुलेशंस लाने की बात भी कही गई थी। इसके अलावा डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिप्टो मार्केट के लिए रेगुलेटर नियुक्त करने का भी वादा किया था।

# स्वियातेक प्री-क्वार्टर में

- विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी पोलैंड की इगा ने राडुकानू को रौंदा
- फ्रांस के गेल अब 22 साल के शेल्टन का सामना करेंगे स्वियातेक प्री-क्वार्टर में

## 38 वर्षीय मोंफिल्स ने फेडरर की बराबरी की

ऑस्ट्रेलियन ओपन

एजेंसी | मेलबर्न

विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। उनके अलावा पुरुष वर्ग में फ्रांस के गेल मोंफिल्स ने 38 साल की उम्र में चौथे दौर में जगह बनाकर दिग्गज रोजर फेडरर की बराबरी कर ली।

### फ्रिट्ज को मोंफिल्स ने किया अपसेट

पिछले साल यूएस ओपन के उपविजेता और यहां चौथे वरीय टेलर फ्रिट्ज बाहर हो गए हैं। उन्हें 38 वर्षीय गेल मोंफिल्स ने 3-6, 7-5, 7-6, 6-4 से शिकस्त दी। मोंफिल्स साल के पहले ग्रैंड स्लैम के चौथे दौर में पहुंचने वाले 38 साल या इससे अधिक उम्र के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस तरह से रोजर फेडरर की बराबरी कर ली है। मोंफिल्स अब 22 साल के बेन शेल्टन का सामना करेंगे। 21वें वरीय अमेरिकी खिलाड़ी बेन ने 16वें वरीय इटली के लॉरेंजो मुसेटी पर उलटफेर भरी जीत दर्ज की। महिला एकल में आठवीं वरीय एम्मा नवारो भी ओन्स जेब्यूर को 6-4, 3-6, 6-4 से हरा प्री-क्वार्टर में पहुंच गई हैं। छठी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना और नौवीं वरीय डारिया कसात्किना ने भी चौथे दौर का टिकट कटा लिया। 2022 की विम्बलडन चैंपियन रायबाकिना ने दयाना यास्त्रेमस्का को 6-3, 6-4 से जबकि कसात्किना ने यूलिया पुतिनत्सेवा को 7-5, 6-1 से पराजित किया।

### राडुकानू बाहर

साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में शनिवार को पोलैंड की स्वियातेक ने ब्रिटेन की 2021 की यूएस ओपन चैंपियन एम्मा राडुकानू राडुकानू को 6-1, 6-0 से हरा दिया। स्वियातेक ने लगातार मैच के अंतिम 11 गेम जीते। वह अब जर्मनी की ईवा लिस का सामना करेंगी जिन्होंने जैकलीन क्रिस्टियन को 4-6, 6-3, 6-3 से हराया। चार बार फ्रेंच ओपन और 2022 में यूएस ओपन जीतने वालीं स्वियातेक ऑस्ट्रेलियन ओपन में अभी तक सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं।

### बालाजी-वरेला की जोड़ी बाहर

**मेलबर्न।** भारत के एन श्रीराम बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार मिगुएल एंजेल रेयेस वरेला को नूनो बोर्गेस और फ्रांसिस्को कैब्राल की पुर्तगाली जोड़ी ने दूसरे दौर में हराकर पुरुष युगल से बाहर कर दिया। दो घंटे और नौ मिनट के मुकाबले में बालाजी और वरेला की जोड़ी को 6-7, 6-4, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की निगाहें अब मिश्रित युगल में रोहन बोपन्ना पर टिकी हैं। बोपन्ना और चीन की उनकी जोड़ीदार झांग शुआई ने क्रिस्टीना म्लादेनोविच और इवान डोडिग को 6-4, 6-4 से हराकर मिश्रित युगल के अगले दौर में प्रवेश किया।

रणजी ट्रॉफी

# मुंबई के लिए जम्मू-कश्मीर के खिलाफ खेलेंगे रोहित

> मैंने 2019 से नियमित रूप से टेस्ट क्रिकेट खेलना शुरू किया। ऐसे में आपको मुश्किल से ही समय मिलता है। जब आप नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं तो आपको तरोताजा होने के लिए समय की जरूरत होती है। ऐसा नहीं है कि कोई घरेलू क्रिकेट को हल्के में ले रहा है।
>
> -रोहित शर्मा, भारतीय कप्तान



डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा जम्मू-कश्मीर के खिलाफ मुंबई के अगले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए उपलब्धत रहेंगे। उन्होंने शनिवार को इसकी पुष्टि की। हालांकि घरेलू मैचों में स्टार खिलाड़ियों की भागीदारी पर उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के व्यस्त कार्यक्रम से खिलाड़ियों के लिए समय निकालना मुश्किल है। रोहित ने कहा कि कोई भी खिलाड़ी शीर्ष घरेलू प्रतियोगिता को हल्के में नहीं लेता है। रणजी ट्रॉफी का दूसरा चरण गुरुवार, 23 जनवरी से शुरू हो रहा है। मुंबई की टीम यहां के एमसीए-बीकेसी ग्राउंड में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ खेलेगी। बीसीसीआई मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान रोहित ने कहा, पिछले 6-7 वर्षों से हमारे कैलेंडर को देखें तो ऐसा कभी नहीं हुआ कि हम 45 दिनों तक घर में रहे हों। ऐसा तभी होता है जब आईपीएल खत्म होने के तुरंत बाद कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं होता है। भारतीय कप्तान ने कहा, हमारा घरेलू सत्र अक्तूबर में शुरू होता है और मार्च तक चलता है। जो खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम के लिए सभी प्रारूप नहीं खेल रहे हैं और जब घरेलू क्रिकेट हो रहा है, तो वे इसमें खेल सकते हैं।

### पिछली 15 पारियों में फ्लॉप

37 साल के इस खिलाड़ी ने टेस्ट में अपनी पिछली 15 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक बनाने के बावजूद इस प्रारूप से संन्यास लेने से इनकार कर दिया है। रोहित ने मंगलवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई टीम के साथ अभ्यास किया था। रोहित हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बुरी तरह विफल रहे। वह तीन मैचों की पांच पारियों में सिर्फ 31 रन ही बना सके थे। खराब फॉर्म के कारण वह पांच मैचों की श्रृंखला के आखिरी टेस्ट को नहीं खेले थे।

## अरुण ने राष्ट्रीय कोचिंग छोड़ी, बैडमिंटन अकादमी खोलेंगे

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत में महिला युगल बैडमिंटन को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने वाले कोच और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अरुण विष्णु ने राष्ट्रीय कोचिंग टीम को छोड़ दिया है। वह मार्च में नागपुर में अकादमी शुरू करेंगे। कोझिकोड के 36 वर्षीय खिलाड़ी ने त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को विश्व स्तरीय जोड़ी बनाने तथा तनीषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा को एक साथ लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अरुण अपनी पत्नी और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अरुंधति पंटावने के साथ एक अकादमी खोलेंगे। गायत्री और त्रीसा ने दिसंबर में सत्र की अंतिम प्रतियोगिता बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में भाग लिया था। अरुण ने अपर्णा बालन के साथ 2016 में मिश्रित युगल राष्ट्रीय खिताब जीतने के बाद से मुख्य राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद के साथ जुड़े रहे।

# चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया का ऐलान

- शमी की वापसी:बुमराह खेलेंगे, 4 ऑलराउंडर
- रोहित बोले- ऐसे ऑप्शन हमारी टीम के लिए अच्छे



डीबीडी संवाददाता | मुंबई

BCCI ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए शनिवार को टीम इंडिया का ऐलान किया। मुंबई वानखेड़े स्टेडियम में सिलेक्टर अजित अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा ने 15 मेंबर्स वाले भारतीय दल के नाम बताए। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक साल बाद टीम में लौटे हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल हुए जसप्रीत बुमराह को भी टीम में शामिल किया गया है। शमी चोट की वजह से नवंबर, 2023 से टीम से बाहर थे। स्क्वॉड में 4 ऑलराउंडर्स रखे गए हैं। इस पर रोहित शर्मा ने कहा कि ऐसे ऑप्शन हमारे लिए अच्छे हैं, जो गेंद भी फेंक सकें और जरूरत पड़ने पर बल्लेबाजी भी करें।

### पाकिस्तान से मुकाबला 23 फरवरी को

भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में अपना पहला मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। यह मुकाबला 20 फरवरी को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम का दूसरा मुकाबला 23 फरवरी को पाकिस्तान और तीसरा मुकाबला 2 मार्च को न्यूजीलैंड से होगा। भारत को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। टूर्नामेंट के 2 सेमीफाइनल 4 और 5 मार्च को होंगे। वहीं, 9 मार्च को फाइनल खेला जाएगा।

### 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच चैंपियंस ट्रॉफी

चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच पाकिस्तान और यूएई के 4 शहरों में होगी है। इनमें लाहौर, कराची, रावलपिंडी और दुबई शामिल हैं। भारतीय टीम के सभी मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। पाकिस्तान से भारत का मुकाबला दुबई में 23 फरवरी को होगा। टीम में वनडे वर्ल्ड कप-2023 खेलने वाले 11 प्लेयर्स को मौका मिला है। इनमें रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और कुलदीप यादव के नाम शामिल हैं। वर्ल्ड कप के स्क्वॉड में शामिल सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, शार्दूल ठाकुर और मोहम्मद सिराज को ड्रॉप किया गया है। इस बार ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, वॉशिंगटन सुंदर और अर्शदीप सिंह चार नए चेहरे शामिल किए गए हैं।

# ऑस्ट्रेलियन ओपन : टेलर फ्रिट्ज़ को हराकर चौथे दौर में पहुंचे गेल मोनफिल्स

एजेंसी | मेलबर्न



फ्रांस के स्टार टेनिस खिलाड़ी गेल मोनफिल्स 38 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में पहुंचने वाले रोजर फेडरर के बाद दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने शनिवार को नंबर 4 वरीय टेलर फ्रिट्ज़ को 3-6, 7-5, 7-6 (1), 6-4 से हराया।

मोनफिल्स ने 19वें ऑस्ट्रेलियाई ओपन में छठी बार चौथे दौर में जगह बनाई। मोनफिल्स से भिड़ने से पहले फ्रिट्ज़ शानदार फॉर्म में थे, उन्होंने अपने पिछले दो मैचों में केवल आठ गेम गंवाए थे। लेकिन मोनफिल्स ने अपने सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और धमाकेदार सर्विस के साथ दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी को शिकस्त दी।

41वें स्थान पर काबिज मोनफिल्स ने मैच जीतने के बाद कहा, 'रणनीति बेसलाइन को थामे रखने और निश्चित रूप से गति को बदलने की थी। लाइन के नीचे कुछ बड़े शॉट लगाए और अपने फोरहैंड से कुछ शेप का इस्तेमाल किया, अपने बैकहैंड से कुछ स्लाइस किया और अच्छी सर्विस की। मुझे खुद पर पूरा भरोसा है, मुझे पूरा भरोसा है कि मैं अभी टूर्नामेंट में आगे बढ़ूंगा।'

क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका सामना एक अन्य अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन या इटली के लोरेंजो मुसेट्टी से होगा। मोनफिल्स अपने लंबे करियर में कभी भी किसी मेजर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए हैं।

## ईस्टर्न केप ने डरबन सुपर जॉइंट्स को हराया

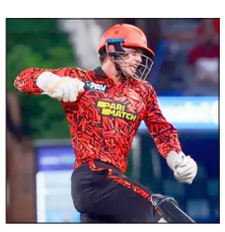



एजेंसी | डरबन

गत चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने लगातार तीन हार के बाद एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट में डरबन सुपर जॉइंट्स को 58 रन से हरा दिया। सनराइजर्स ने पहले निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 165 रन बनाए और फिर सुपर जॉइंट्स को 107 रन पर आउट कर दिया। इंग्लैंड के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जैक क्राउली ने 29 गेंदों में 34 रन बनाकर सनराइजर्स को अच्छी शुरुआत दिलाई जबकि टॉम एबेल ने 39 गेंदों में 57 रन बनाए। मार्को यानसेन ने 26 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाकर सनराइजर्स को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। सुपर जॉइंट्स के स्पिनर नूर अहमद ने चार विकेट लिए।

# ऑस्ट्रेलियन ओपन- वर्ल्ड नंबर-1 सिनर चौथे राउंड में पहुंचे

## स्वियातेक ने राडुकानु को हराया, श्रीराम बालाजी की जोड़ी हारकर बाहर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ऑस्ट्रेलियन ओपन के मेंस सिंगल्स चौथे राउंड में पहुंच गए हैं। डिफेंडिंग चैंपियन सिनर ने रॉड लेवर एरिना में शनिवार को अमेरिका के मार्कोस गिरोन को 6-3, 6-4, 6-2 से हराया। पांच बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने ब्रिटेन की एम्मा राडुकानु पर आसान जीत के टूर्नामेंट के विमेंस सिंगल्स के चौथे दौर में जगह बनाई। स्वियातेक ने मैच के अंतिम 11 गेम जीतकर अमेरिकी ओपन की 2021 की चैंपियन राडुकानु को 6-1, 6-0 से हराया।

### बालाजी की जोड़ी हारकर बाहर

भारत के एन श्रीराम बालाजी और उनके मैक्सिकन जोड़ीदार मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला हार कर बाहर हो गई। बालाजी और वरेला की जोड़ी को 6-7 (7), 6-4, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। पहला सेट काफी रोमांचक रहा जो 56 मिनट तक चला। ऑस्ट्रेलियन ओपन साल का पहला ग्रैंड स्लैम होता है। लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने इस टूर्नामेंट को 1905 में शुरू किया था, जिसे पहले ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप कहा जाता था। बाद में लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया टेनिस ऑस्ट्रेलिया बन गया। इसके बाद ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप को ऑस्ट्रेलियन ओपन नाम दे दिया गया। 1969 से इस टेनिस टूर्नामेंट को आधिकारिक तौर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन के नाम से जाना जाने लगा।

### साल का पहला ग्रैंड स्लैम है

टेनिस में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं। चारों हर साल आयोजित होते हैं, इसकी शुरुआत जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से होती है। मई और जून में फ्रेंच ओपन होता है। जुलाई में विम्बलडन और अगस्त-सितंबर में US ओपन होता है। US ओपन साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है।

## अर्जुन-भूमि की फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' के सेट पर हुआ बड़ा हादसा

बॉलीवुड मनोरंजन जगत से बड़ी खबर सामने आ रही है। फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' के सेट पर शूटिंग के दौरान बड़ा हादसा हो गया। फिल्म सेट पर अचानक छत गिरने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस बार सेट पर अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर, जैकी भगनानी और फिल्म के निर्देशक मुदस्सर अजीज मौजूद थे। सौभाग्य से, इस दुर्घटना में कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ।

### अर्जुन कपूर- भूमि पेडनेकर के सेट पर हादसा

फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' की शूटिंग मुंबई के रॉयल पाम्स इंपीरियल पैलेस में शुरू की गई थी। तभी अचानक फिल्म सेट पर छत गिर गई। ये हादसा तब हुआ जब शूटिंग के दौरान तेज आवाज के कारण छत गिर गई। अर्जुन, भूमि, जैकी और निर्देशक मुदस्सर को मामूली चोटें आईं। कहा जा रहा है कि यह हादसा इसलिए हुआ क्योंकि यहां कई दिनों से भारी शूटिंग चल रही थी। फिल्म 'मेरे हस्बैंड की बीवी' के गाने की शूटिंग शुरू हो गई है। पहले दिन शूटिंग अच्छी रही। अगले दिन शाम 6 बजे एक सीन की शूटिंग के दौरान अचानक छत गिर गई। जैसे ही सेट पर छत के टुकड़े गिरे, समय रहते सभी को बचा लिया गया। यदि पूरी छत गिर जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। यह फिल्म 21 फरवरी 2025 को रिलीज होने वाली है।

# ऐश्वर्या राय से तुलना पर अभिषेक बच्चन की प्रतिक्रिया

**महान अभिनेता अमिताभ बच्चन और अभिनेत्री जया बच्चन के बेटे अभिनेता अभिषेक बच्चन पिछले 25 वर्षों से मनोरंजन उद्योग में काम कर रहे हैं। एक सुपरस्टार के बेटे होने के नाते अभिषेक की तुलना अक्सर उनके पिता अमिताभ से की जाती है। उन्होंने खूबसूरत अभिनेत्री ऐश्वर्या राय से शादी की है, इसलिए उनकी तुलना अक्सर उनकी पत्नी से भी की जाती है। अब उन्होंने बताया है कि वह इस तुलना के बारे में क्या सोचते हैं। उन्होंने अपने पिता की भी तारीफ की।**



जब आप अपने परिवार के सदस्यों की तुलना करते हैं तो क्या इससे उनकी उपलब्धियों पर असर पड़ता है, के सवाल पर अभिषेक ने कहा कि यह कभी आसान नहीं होता, लेकिन अब 25 वर्षों से यही प्रश्न पूछे जाने के कारण मुझे इसकी आदत हो गई है।

यदि आप मेरी तुलना मेरे पिता से कर रहे हैं, तो आप मेरी तुलना सर्वश्रेष्ठ से कर रहे हैं। यदि आप मेरी तुलना सर्वश्रेष्ठ से करते हैं, तो मुझे लगता है कि मैं कहीं न कहीं महान नामों में गिने जाने का हकदार हूं। मैं इस तुलना को इसी तरह देखता हूं। मेरे माता-पिता मेरे माता-पिता हैं, मेरा परिवार मेरा परिवार है, मेरी पत्नी मेरी पत्नी है और मुझे उन पर और उनकी उपलब्धियों और वे जो कर रहे हैं उस पर बहुत गर्व है।

अभिषेक ने अपने काम के प्रति समर्पण के लिए पिता अमिताभ की सराहना की। अभिषेक ने एक बातचीत में कहा, हम यह बातचीत मुंबई में एक अच्छे एसी रूम में बैठ कर कर रहे हैं, अच्छी कॉफी पी रहे हैं और वह 82 साल के हैं और सुबह 7 बजे से केबीसी के लिए शूटिंग कर रहे हैं। वे समाज के लिए एक उदाहरण हैं। मैं उनके जैसा बनना चाहता हूं। हर रात जब मैं बिस्तर पर जाता हूं, तो बस यही सोचता हूं कि जब मैं 82 साल का हो जाऊंगा, तो मेरी बेटी मेरे बारे में कहे, मेरे पिता 82 साल के हैं और अभी भी काम कर रहे हैं। अभिषेक के काम की बात करें तो वह हाल ही में फिल्म 'आई वांट टू टॉक' में नजर आए। वह जल्द ही सिद्धार्थ आनंद की फिल्म 'किंग' में शाहरुख खान के साथ नजर आएंगे। फिल्म में अभिषेक वर्मा और सुहाना खान भी हैं। वह रेमा डिसूजा की फिल्म 'हैप्पी' में भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। ये दोनों फिल्में इसी साल पर्दे पर आएंगी।

## न्यूज़ ब्रीफ

### PM ने 65 लाख स्वामित्व संपत्ति कार्ड बांटे

**नई दिल्ली।** PM मोदी शनिवार को 10 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 65 लाख स्वामित्व संपत्ति कार्ड बांटे। कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़े पीएम मोदी ने कहा- आज का दिन गांवों के लिए अर्थव्यवस्था के लिए अहम है। 5 साल पहले यह योजना शुरू की गई थी, ताकि गांव में रहने वालों को उनके घर का कानूनी प्रमाण दिया जा सके। मोदी ने कहा कि 21वीं सदी में प्रॉपर्टी राइट्स की चुनौती रही है। कई साल पहले यूनाइटेड नेशंस ने कई देशों में भू संपत्ति पर स्टडी की थी। इसमें पता चला था कि दुनिया के कई देशों में लोगों के पास प्रॉपर्टी के पक्के दस्तावेज नहीं है। UN ने कहा था कि अगर गरीबी कम करनी है तो लोगों के पास प्रॉपर्टी राइट्स होना जरूरी है।

### बस और ट्रक के एक्सीडेंट में 2 लोगों की मौत, 8 गंभीर

**विजयनगरम।** आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में शनिवार शाम अनिल नीरुकोंडा इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंस की बस नेशनल हाईवे पर खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई जबकि 8 गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

### एनपीपी विधायक एन. काइसी का 58 साल की उम्र में निधन

**इंफाल।** मणिपुर के पूर्व मंत्री और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के विधायक एन काइसी का लंबी बीमारी के बाद शनिवार को निधन हो गया। वह 58 वर्ष के थे। नागा मूल के विधायक एन. काइसी सेनापति जिले के ताडुबी निर्वाचन क्षेत्र से विधायक हैं और एनपीपी के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। वहीं मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने एनपीपी विधायक एन. काइसी के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि मणिपुर के लोगों के लिए उनकी सेवा को हमेशा याद रखा जाएगा।

### हैदराबाद में ग्रीन कॉरिडोर, 13 मिनट में पहुंचाया गया हार्ट

**हैदराबाद।** तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में एलएंडटी मेट्रो ने 17 जनवरी 2025 को रात 9:30 बजे ग्रीन कॉरिडोर की सुविधा मुहैया कराई। हृदय परिवहन के लिए बनाए गए इस कॉरिडोर की मदद से एलबी नगर के कामिनेनी अस्पताल से लकड़ी-का-पुल के पास ग्लेनीगल्स ग्लोबल अस्पताल तक मरीज के लिए डोनेट किया गया हार्ट तेज और निर्बाध तरीके से पहुंचाने में सफलता मिली। इस जीवन-रक्षक मिशन में काफी समय की बचत हुई।

### केजरीवाल की गाड़ी पर ईंट से हमला

**नई दिल्ली।** दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के बीच आम आदमी पार्टी (AAP) ने भारतीय जनता पार्टी (BJP) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। AAP का कहना है कि पुर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के काफिले पर बीजेपी के प्रत्याशी प्रवेश वर्मा के समर्थकों ने ईंट-पत्थरों से हमला किया। पार्टी का दावा है कि यह हमला केजरीवाल को चोट पहुंचाने और उनके चुनाव प्रचार को रोकने की साजिश के तहत किया गया। प्रवेश वर्मा ने आप के आरोपों को निराधार बताया।

# महाराष्ट्र के एकमात्र सीबीएसई स्कूल आर्य गुरुकुल में प्रोफिलैक्सिस हेल्थ कियोस्क खुला

- देशभर के 40 स्कूलों में प्रोफिलैक्सिस उपकरणों का एकसाथ उद्घाटन
- महाराष्ट्र का एकमात्र आर्य गुरुकुल स्कूल शामिल...



**डीबीडी संवाददाता । अंबरनाथ**

आर्य गुरुकुल ने निवारक स्वास्थ्य सेवाओं की ओर अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के अनुरूप प्रोफिलैक्सिस नामक स्मार्ट डायग्नोस्टिक टूल का पहली बार महाराष्ट्र में शुभारंभ किया। अंबरनाथ स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के डीन डॉ. संतोष वर्मा ने इसका उद्घाटन किया। डॉ. वर्मा ने गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, नागपुर से एमबीबीएस और एमडी बायोकेमिस्ट्री की पढ़ाई की है, जबकि उनकी पत्नी एक पैथोलॉजिस्ट हैं। इस कार्यक्रम में डॉ. वर्मा के साथ ईएसआईसी, उल्हासनगर के चिकित्सा अधिकारी और आर्य गुरुकुल के पूर्व छात्र गौरव वर्मा भी उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह में चेयरमैन भरत मलिक, निदेशक डॉ. नीलम मलिक, आर्य गुरुकुल की प्राचार्य श्रीमती राधामणि अय्यर, सेंट मैरी हाई स्कूल की प्राचार्य श्रीमती दिव्या बोरसे, अंबरनाथ आर्य गुरुकुल के प्राचार्य नीलेश राठौर और खेल निदेशक डॉ. दीपक वर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती राधामणि अय्यर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के स्कूलों में प्रोफिलैक्सिस हेल्थ कियोस्क के उद्घाटन के दौरान संवाद किया। यह अभिनव पहल चिन्मय विजन प्रोग्राम (सीवीपी) के शारीरिक विकास स्तंभ के अनुरूप है, जो समग्र छात्र विकास की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। छात्रों के स्वास्थ्य को शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता का आधार मानते हुए, प्रोफिलैक्सिस उनके शारीरिक स्वास्थ्य की निगरानी और सुधार के लिए एक व्यापक समाधान प्रदान करता है।

### प्रोफिलैक्सिस क्यों?

- **निवारक देखभाल:** वार्षिक, विस्तृत स्वास्थ्य जांच से शारीरिक विकास पर नज़र रखी जाती है और संभावित स्वास्थ्य चिंताओं का पूर्वानुमान लगाया जाता है।
- **व्यापक कवरेज:** 45 से अधिक स्वास्थ्य डेटा बिंदुओं के साथ, यह टूल छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में गहन जानकारी प्रदान करता है।
- **समय पर हस्तक्षेप:** प्रारंभिक पहचान से स्कूलों और परिवारों को सक्रिय कदम उठाने में मदद मिलती है, जिससे दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणाम बेहतर होते हैं।

एक समग्र दृष्टिकोण हमारी मौजूदा मानसिक स्वास्थ्य पहलों पर आधारित यह कदम छात्रों के कल्याण के लिए एक 360-डिग्री दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है |हमारे स्कूलों में प्रोफिलैक्सिस को एकीकृत करके, हमारा लक्ष्य छात्रों के स्वास्थ्य और प्रदर्शन में एक नया मानक स्थापित करना है। यह अग्रणी पहल हमारी इस धारणा को रेखांकित करती है कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को पोषित करना छात्रों को उनकी पूर्ण क्षमता प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए अभिन्न अंग है।

# सरकार पेश कर सकती है नया आयकर विधेयक

- अप्रचलित प्रावधानों को हटाया जाएगा, कर की मात्रा में कटौती होगी
- वर्तमान आयकर कानून को सरल बनाना है इसका उद्देश्य



**एजेंसी । नई दिल्ली**

सरकार संसद के आगामी बजट सत्र में एक नया आयकर विधेयक पेश कर सकती है। इसका उद्देश्य वर्तमान आयकर कानून को सरल बनाना, उसे समझने योग्य बनाना तथा पृष्ठों की संख्या में लगभग 60 प्रतिशत की कमी करना है।

### एक व्यापक बदलाव

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई के बजट में छह महीने के भीतर छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा की घोषणा की थी। एक सूत्र ने कहा, नया आयकर कानून संसद के बजट सत्र में पेश किया जाएगा। यह एक नया कानून होगा, न कि मौजूदा कानून में संशोधन। वर्तमान में, कानून के मसौदे पर विधि मंत्रालय विचार कर रहा है और बजट सत्र के दूसरे भाग में इसे संसद में पेश किया जा सकता है। बजट सत्र 31 जनवरी से चार अप्रैल तक चलेगा। पहला भाग (31 जनवरी-13 फरवरी) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के लोकसभा और राज्य सभा के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करने के साथ शुरू होगा। इसके बाद 2024-25 के लिए आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा।

## शाह आज एनडीआरएफ के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे

**एजेंसी । नई दिल्ली**

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार 19 तारीख को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के 20वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। इस अवसर पर गृह मंत्री शाह 200 करोड़ रुपये से अधिक लागत की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे। गृह मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि भारत में अब आपदा प्रबंधन के लिए राहत केंद्रित नहीं बल्कि जीरो कैजुअल्टी अप्रोच को अपनाया जा रहा है, जिससे आपदाओं के दौरान जीरो कैजुअल्टी का लक्ष्य हासिल किया जा सके। शाह रविवार को तीन महत्वपूर्ण केंद्रों के परिसर का लोकार्पण भी करेंगे, जिनमें नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट एनआईडीएम का दक्षिणी परिसर, एनडीआरएफ की 10वीं वाहिनी तथा क्षेत्रीय प्रतिक्रिया केंद्र (आरआरसी) सुपौल (09वीं वाहिनी) का परिसर शामिल है।

**कोलकाता रेप-मर्डर केस**

## संजय रॉय दोषी करार, सजा का ऐलान 20 जनवरी को

**एजेंसी । कोलकाता**

कोलकाता के आरजी कर हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर केस में सियालदह कोर्ट ने 18 जनवरी को मुख्य आरोपी संजय रॉय को दोषी करार दिया। सजा का ऐलान सोमवार (20 जनवरी) को किया जाएगा। अदालत ने 162 दिन बाद फैसला सुनाया है। CBI ने आरोपी संजय के लिए फांसी की मांग की है। वहीं, संजय की बड़ी बहन ने कहा कि ट्रॉयल कोर्ट के इस फैसले को किसी भी अदालत में चुनौती देने की कोई योजना नहीं है। फैसले के बाद दोषी संजय ने कहा कि मुझे इस मामले में फंसाया गया है। मैंने यह काम नहीं किया। जिन्होंने ये काम किया है, उन्हें जाने दिया गया है। एक IPS इसमें शामिल है। मैं रुद्राक्ष की माला पहनता हूं और अगर मैंने अपराध किया होता तो यह टूट जाती। आरजी कर हॉस्पिटल में 8-9 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह डॉक्टर की लाश सेमिनार हॉल में मिली थी। CCTV फुटेज के आधार पर पुलिस ने संजय रॉय नाम के सिविक वॉलंटियर को 10 अगस्त को अरेस्ट किया था। इस घटना के बाद कोलकाता समेत देशभर में प्रदर्शन हुए। बंगाल में 2 महीने से भी ज्यादा समय तक स्वास्थ्य सेवाएं ठप रही थीं।

# गोवा-अरुणाचल में नए भाजपा अध्यक्षों की तैनाती

**एजेंसी । पणजी**

गोवा में पूर्व विधायक दामोदर नाइक को शनिवार को राज्य भाजपा इकाई का अगला अध्यक्ष चुना गया। दामोदर नाइक के नाम की घोषणा भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक सुनील बंसल, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक, निवर्तमान गोवा भाजपा प्रमुख सदानंद शेत तनावड़े और अन्य की मौजूदगी में की गई। बता दें कि, सदानंद शेत तनावड़े का कार्यकाल समाप्त होने के बाद से यह पद खाली था। दामोदर नाइक राज्य भाजपा महासचिव थे। राज्य पार्टी प्रमुख के रूप में अपने पहले भाषण में दामोदर नाइक ने भाजपा कार्यकर्ताओं से सार्वजनिक या सोशल मीडिया पर मतभेदों पर चर्चा नहीं करने की अपील की। दामोदर नाइक ने कहा, 'सोशल मीडिया पर अपना असंतोष व्यक्त न करें। भाजपा एक परिवार की तरह है। हमें संगठन के भीतर अपने मतभेदों को सुलझाना चाहिए और सामंजस्य स्थापित करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों के चयन को लेकर आम तौर पर चुनाव के दौरान असहमति होती है। 'हालांकि, हमें सही उम्मीदवार चुनने की पार्टी की क्षमता पर भरोसा करना चाहिए। हो सकता है कि आपको वह उम्मीदवार पसंद न आए, लेकिन पार्टी को धोखा न दें। दामोदर नाइक ने 2027 के गोवा विधानसभा चुनाव में 40 में से 27 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य 2027 में 27 सीटें जीतना होना चाहिए।' इधर अरुणाचल प्रदेश में पूर्व भाजपा विधायक कलिंग मोयोंग को शनिवार को सर्वसम्मति से राज्य भाजपा इकाई का नया अध्यक्ष चुना गया। कलिंग मोयोंग, जो 2014 से पासीघाट पूर्व विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हुए दो बार विधायक रहे थे, अप्रैल 2024 के चुनावों में अपनी सीट हार गए। वह इस पद के लिए नामांकन पत्र जमा करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। वे राज्य भाजपा अध्यक्ष के रूप में बियुराम वाहगे का स्थान लेंगे। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कलिंग मोयोंग के चुनाव के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश से तीन राष्ट्रीय परिषद सदस्यों की नियुक्ति की घोषणा की।

# साइबर अपराध से निपटने के लिए बनेगी मजबूत रणनीति

## केंद्रीय सहायता में बढ़ोतरी को लेकर बजट में ऐलान संभव

**एजेंसी । नई दिल्ली**

देश में लगातार बढ़ते साइबर अपराध से निपटने के लिए मजबूत केंद्रीय रणनीति बनाई जाएगी। गृह मंत्रालय साइबर अपराध से निपटने और साइबर फोरेंसिक की व्यवस्था को मजबूत बनाने में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सहायता के लिए एक नई योजना पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, कुछ दिन पहले केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक में इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक केंद्रीय योजना बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। यह भी संकेत दिए गए हैं कि आम बजट में साइबर चुनौतियों से केंद्र और राज्यों की साझा रणनीति के लिए केंद्रीय आवंटन बढ़ाया जा सकता है।

केंद्र सरकार साइबर अपराध से संबद्ध सभी जरूरी डेटा को केंद्रीकृत करके जोड़ने की योजना बना रही है, जिससे यह राज्य साइबर अधिकारियों के लिए सुलभ हो सके। इसके अतिरिक्त केंद्र, केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से प्रमुख मामलों से निपटने में राज्यों का सहायता करेगा। इसका उद्देश्य साइबर खतरों और अपराधों पर अधिक तेजी से प्रतिक्रिया देना है। सूत्रों ने कहा, बैठक में कार्रवाई बिंदु प्रस्तावित किए गए थे। इसके बाद साइबर समन्वय केंद्र आई 4सी के अधिकारियों के साथ इन पर चर्चा की गई। जिन्हें आवश्यक कार्रवाई करने और प्रगति पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया।

### क्षमता बढ़ाने पर जोर

एक अधिकारी ने बताया कि साइबर अपराधों से निपटने के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की क्षमताओं को बढ़ाने के अलावा विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों से निपटने, जागरूकता बढ़ाने, साइबर फोरेंसिक सेवा को बेहतर करने में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सहायता के लिए केंद्रीय योजना विचाराधीन है। साइबर कमांडो सहित कई पहले से क्रियान्वित तंत्र को भी इससे जोड़ा जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, आई4सी को योजना तैयार करने और आगे बढ़ाने का जिम्मा सौंपा गया है। यह एजेंसी पहले से साइबर अपराधों को रोकने के लिए कई तरह के समन्वित प्रयास कर रही है। इनमें दर्ज शिकायतों पर विभिन्न एजेंसियों को तुरंत अलर्ट करना, डेटा साझा करने सहित कई अन्य तरह के प्रयास शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल (एनसीआरपी) को 2020 से फरवरी 2024 तक साइबर धोखाधड़ी से संबंधित 31 लाख शिकायतें मिलीं। हालांकि, साइबर धोखाधड़ी के मामलों में गिरफ्तारियों की कम संख्या चिंता बनी हुई है।

# भारत-बांग्लादेश सीमा पर भिड़े दोनों देशों के किसान

- बीएसएफ-बीजीबी ने किया तनाव को शांत



**एजेंसी । कोलकाता**

भारत-बांग्लादेश सीमा पर शनिवार की सुबह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की चौकी के पास तनाव पैदा हो गया। दरअसल, दोनों देशों के किसानों के बीच एक विवाद झड़प में का रूप ले लिया। अर्धसैनिक बल ने इस घटना की जानकारी दी। बीएसएफ ने एक बयान जारी कर बताया कि बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने तुरंत मामले में हस्तक्षेप किया और स्थिति का सामान्य करने की कोशिश की।

### झड़प सुबह के 11:45 बजे शुरू हुई

बीएसएफ के अनुसार, यह झड़प सुबह के 11:45 बजे शुरू हुई। भारतीय किसान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास काम कर रहे थे। उन्होंने बांग्लादेशी किसानों पर फसल चोरी करने का आरोप लगाया। दोनों देशों किसानों के बीच पहले बहस हुई। इस बहस ने झड़प का रूप ले लिया। इस झड़प के कारण दोनों गुटों के किसान बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए।

# बेंगलुरु एयरफोर्स स्टेशन के आस-पास बैन हुआ नॉन-वेज

**एजेंसी । बेंगलुरु**

बेंगलुरु में 10 फरवरी से 14 फरवरी तक आयोजित होने वाले 15वें एयरो इंडिया शो के मद्देनजर एक बड़ा फैसला लिया गया है। ब्रुहत बेंगलुरु महानगर पालिके (बीबीएमपी) ने 23 जनवरी 2025 से 17 फरवरी 2025 तक येलहंका एयरफोर्स स्टेशन के 13 किलोमीटर के दायरे में मांस की दुकानों और नॉन-वेज होटल-रेस्त्रां को बंद रखने का आदेश दिया है। बीबीएमपी की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि इस दौरान मांस, चिकन और मछली की बिक्री और नॉन-वेज खाने परोसने पर पूरी तरह रोक रहेगी। ऐसा कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि सार्वजनिक स्थानों पर नॉन-वेज खाना फेंकने से गिद्ध और अन्य पक्षी आकर्षित होते हैं, जो उड़ानों के दौरान दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं।



### एयरो इंडिया शो का महत्व

एयरो इंडिया शो एशिया का सबसे बड़ा द्विवार्षिक एयरोस्पेस और रक्षा प्रदर्शनी कार्यक्रम है। इस बार यह आयोजन येलहंका एयरफोर्स स्टेशन में किया जाएगा। शो के दौरान 'डिफेंस मिनिस्टर्स कॉन्क्लेव', सीईओ राउंड-टेबल और एयरोस्पेस इंडस्ट्री का बड़ा व्यापार मेला आयोजित होगा। इस शो में भारत सहित दुनियाभर की दिग्गज एयरोस्पेस और रक्षा कंपनियां हिस्सा लेंगी। यह कार्यक्रम इंडस्ट्री के लिए अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने और भविष्य के रक्षा क्षेत्र में साझेदारियां स्थापित करने का बेहतरीन मंच है।

# बिहार में इंडिया गठबंधन ही लड़ेगा चुनाव

- पटना में राहुल गांधी ने कर दिया ऐलान

**एजेंसी । पटना**

लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार राहुल गांधी बिहार पहुंचे थे। राहुल गांधी ने जहां संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित किया वहीं कांग्रेस मुख्यालय में पहुंचकर चुनावी साल में अपने कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देने के साथ उत्साह भी बढ़ाया। तेजस्वी यादव ने भले ही इंडिया गठबंधन को लोकसभा चुनाव तक सीमित रहने का बयान दिया था, लेकिन राहुल ने साफ कर दिया कि बिहार में इंडिया गठबंधन के तहत ही चुनाव लड़ा जाएगा। राहुल गांधी ने बिहार की जातीय जनगणना को फेक बताकर एक नए विवाद को जन्म दे दिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार बिहार पहुंचे। पटना में राहुल गांधी के दो कार्यक्रम थे। एक तरफ उन्होंने संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित किया तो दूसरी तरफ कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी नेताओं का उत्साह बढ़ाया। राहुल गांधी ने पटना में कहा कि बिहार की जातीय जनगणना फेक है और लोगों को बेवकूफ बनाने वाला है। हालांकि बिहार में जातीय जनगणना का फैसला जब लिया गया तब कांग्रेस भी यहां सरकार में थी।

### सीट बंटवारे को लेकर आरजेडी-कांग्रेस में बढ़ रही तल्खियां

बिहार में सीट बंटवारे को लेकर आरजेडी और कांग्रेस के बीच पिछले दिनों काफी तल्खियां बढ़ी रहीं। लालू ने ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक का नेता बनाने की वकालत की तो तेजस्वी ने इंडिया गठबंधन को सिर्फ लोकसभा चुनाव तक सीमित रहने की बात की। इन सबके बीच राहुल गांधी से तेजस्वी यादव कुछ सेकेंड के लिए मिले और लालू यादव से मिलने के लिए आवास आने का आमंत्रण दिया।

### लालू यादव से मिलने के लिए उनके आवास पहुंचे राहुल

राहुल गांधी ,लालू यादव से मिलने उनके आवास भी पहुंच गए। साथ में शाम की चाय पी और चाय पर चर्चा भी हुई। तेजस्वी यादव भले ही इंडिया गठबंधन के लोकसभा चुनाव तक समिति होने की बात कह चुके हैं लेकिन राहुल गांधी ने आज कांग्रेस मुख्यालय में ऐलान कर दिया कि बिहार में चुनाव इंडिया गठबंधन के तहत ही लड़ा जाएगा।

### बीपीएससी अभ्यर्थियों से भी मिले राहुल

राहुल गांधी का यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब पटना में पिछले एक महीने से बीपीएससी परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन कर रहे हैं। राहुल गांधी बीपीएससी अभ्यर्थियों से मिलने के लिए धरना स्थल भी पहुंचे हुए थे।